भाद्रपद शुक्ल पक्ष-13, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 132 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
27 अक्टूबर 2023 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
32 अधिकतम
17 न्यूनतम

Page- 7

मप्र विस चुनावः आज पीएम मोदी चित्रकूट में, कल प्रियंका दमोह आएंगी

भाजपा का घेराबंदी मिशन हुआ तेज
कांग्रेस 3 दिन और करेगी होमवर्क

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा ने आक्रामक चुनाव प्रचार की शैली अपनाकर कांग्रेस पर अभी से बढत लेने की रणनीति पर तेजी से काम कर दिया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मप्र के चित्रकूट में दोपहर बाद एक सभा कर रहे हैं तो अमित शाह भी कल से तीन दिन के लिये मप्र में डेरा डालने वाले हैं, वे विभिन्न संभागों में सभा व संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री ने आज पन्ना में कहा कि हम सुनियोजित तरीके से प्रचार कर रहे है।
भाजपा के सघन प्रचार के सामने कांग्रेस का प्रचार कार्यक्रम अभी सिरे नहीं चढ सका है, प्रत्याशी अपने स्तर पर प्रचार में जुटे हैं लेकिन कांग्रेस के स्टार प्रचारकों के दौरे अभी नहीं शुरू हुए हैं। आज कमलनाथ ने बैतूल में सभा की है और कल महासचिव प्रियंका गांधी दमोह में सभा करने पहुंच रही हैं। कांग्रेस के मीडिया विभाग प्रमुख केके मिश्रा का कहना है कि 30 अक्टूबर के बाद कांग्रेस आक्रामक रूप से चुनाव प्रचार शुरू करने की रणनीति बना चुकी है। सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेता अपने प्रभावक्षेत्रों में दौरे सभा करेंगे। इस दौरान राहुल गांधी,मल्लिकार्जुन खड़गे व प्रियंका गांधी की सभा की भी रूपरेखा बनाई जा रही है। माना जा रहा है कांग्रेस 30 तक डेमेज कंट्रोल पूरा करना चाहती है।

फाइल फोटो

मोदी का दौरा, कल से शाह का डेरा

चुनावी माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मप्र के चित्रकूट में कई कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। वे तुलसी पीठ के जगद्गुरु रामानंदाचार्य का आशीर्वाद लेंगे।तथा पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से भी मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह भी उनके साथ हैं। प्रधानमंत्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिरकत के साथ ही पूजा-अर्चना और दर्शन करेंगे। जिसके बाद श्रीराम संस्कृत महाविद्यालय जाएंगे। वे जानकीकुंड चिकित्सालय की नई शाखा या प्रकोष्ठ का भी उद्घाटन करेंगे तथा संबोधन भी देंगे वे 'अष्टाध्यायी भाष्य', 'रामानंदाचार्य चरितम' और 'भगवान श्री कृष्ण की राष्ट्रलीला' नामक किताब का विमोचन भी करेंगे। इससे पहले हाल में मोदी ने ग्वालियर में सिंधिया स्कूल के समारोह में भी शिरकत की थी। वहीं अमित शाह उज्जैन से दौरा शुरू करेंगे। सूत्र बताते हैं कि वे सभी 230 क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं से संवाद करने का मिशन शुरू कर रहे हैं।

कमलनाथ ने आज बैतूल जिले के शाहपुर में सभा संबोधित की।

भाजपा ब्रिगेड आज फिर सक्रिय, तोमर ने पर्चा भरा

आज भाजपा के लिये केन्द्रीय मंत्री और प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव मंडला जिले की निवास क्षेत्र, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह पन्ना, छतरपुर व सतना, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा पन्ना व छतरपुर, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शिवपुरी व ग्वालियर,वीरेंद्र खटीक धार व जावरा, प्रहलाद सिंह पटेल छिंदवाडा व सिवनी व राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय उज्जैन ग्रामीण, राजगढ़ और जयभानसिंह पवैया शिवपुरी जिले की विधानसभाओं में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उधर मुरैना के दिमनी विस क्षेत्र से केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। वे अपनी बेटी के साथ नामांकन जमा करे पहुंचे उनका मुकाबला कांग्रेस के रवीन्द्र सिंह तोमर से है।

हरा निशानःशेयर बाजार को 'आखिरी दिन' मिली सांसें

मुबंई , एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार में बीते छह दिनों से जारी गिरावट पर आज कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन ब्रेक लगा है। बाजार में हरे निशान पर कारोबार होता दिखा। सभी प्रमुख इंडेक्स हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 449.04 (0.71 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 63,597.19 जबकि निफ्टी 140.96 (0.75 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 18,997.05 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इस तेजी में बैंकिंग और मेटल सेक्टर के शेयरों का योगदान दिखा। ज्ञात हो कि पांच दिन से बाजार में गिरावट से हडकंप रहा है और करीब बीस लाख करोड़ रूपये डूबे हैं। आज रुपया डॉलर के मुकाबले दो पैसे मजबूत भी हुआ है।

साल का आखिरी चंद्रगहण कल, सवा घंटे चलेगा

नई दिल्ली। शनिवार रात को इस साल का दूसरा चंद्र ग्रहण देखने को मिलेगा। ये इस साल का आखिरी चंद्र ग्रहण है। शनिवार, 28 अक्टूबर को भारत में ग्रहण की शुरुआत रात में 1 बजकर 5 मिनट से होगी। चंद्र ग्रहण रात 2 बजकर 24 मिनट तक चलेगा। ऐसे में ये ग्रहण 1 घंटा, 19 मिनट चलेगा। 28-29 अक्टूबर की रात में लगने जा रहा ये चंद्र ग्रहण आंशिक होगा। पिछले सप्ताह हुए सूर्य ग्रहण के 14 दिनों बाद यह चंद्र ग्रहण होने जा रहा है। भारत में ये चंद्र ग्रहण दिल्ली, जयपुर, जम्मू, कोल्हापुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पटना, रायपुर, राजकोट, रांची, शिमला, सिल्चर, उदयपुर, उज्जैन, बडौदरा, वाराणसी, प्रयागराज, चेन्नई, हरिद्वार, मथुरा, हिसार, बरेली, कानपुर, आगरा, रेवाड़ी,अजमेर, अहमदाबाद, अमृतसर, बेंगलुरु भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, देहरादून समेत अन्य शहरों में देखा जा सकेगा।

संगमरमरी वादियों में नर्मदा महोत्सव आज से

जबलपुर। दुनियाभर में संगमरमरी वादियों के लिए मशहूर पर्यटन मप्र के पर्यटनस्थल भेड़ाघाट में आज शाम से दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव की शुरुआत हो रही है। चांदनी रात में नर्मदा तट के मुक्ताकाशी मंच से पार्श्व गायिका साधना सरगम के तराने गूंजेंगे। जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषदने विभिन्न सरकारी एजेंसियों के सहयोग से शरद पूर्णिमा के अवसर पर ये आयोजन किया है। शाम सात बजे से आयोजित महोत्सव में मेघा पांडेय एवं उनके समूह द्वारा लोकनृत्यों की प्रस्तुत किए जाएंगे। ईशान मिनोचा द्वारा भजन भी प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रमों का सिलसिला देर रात तक जारी रहेगा। महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को प्रख्यात सूफी गायिका ममता जोशी की आवाज संगमरमरी वादियों में गूंजेगी।

हवाओं का रुख बदला मप्र में ठंड की आमद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इन दिनों हवाओं का रुख बदलने से मप्र में रातें ठंडी होने लगी हैं। बीते दो दिन से यह नया बदलाव नजर आने लगा है। रात दस बजे ही भोपाल में तापमान 21 डिग्री के आसपास पहुंचने लगा है। बताया जाता है कि तापमान में दो डिग्री तक गिरावट आई है। वहीं पचमढ़ी, नौगांव और मलांजखंड अभी सबसे ठंडे हैं। यहां पारा 12-13 डिग्री के आसपास चल रहा है। मौसम के जानकारों का कहना है कि अगले 5 दिन तक टेम्प्रेचर में गिरावट होगी। 2 नवंबर से उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने से तापमान में एक से दो डिग्री तक बढ़ोतरी होगी। बताया जाता है कि उत्तर भारत में मौसम की करवट से मप्र में मौसम बदला है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के कारण तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई है। उत्तराखंड के उच्च हिमालय क्षेत्र में हिमपात के बाद पर्वतीय इलाकों में ठिठुरन बढ़ गई है बीते कुछ दिनों से केदारनाथ घाटी में जमकर बर्फबारी हो रही है। केदारनाथ घाटी में बर्फ की चादर बिछ गई है। मौसम विभाग का मानना है कि 30 अक्टूबर के बाद बर्फबारी और तेज हो सकती है।

छठ पूजा के लिए 283 विशेष ट्रेन, 4480 फेरे

नई दिल्ली , एजेंसी। छठ पूजा पर इस बार भी भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए इस वर्ष 283 विशेष ट्रेनों की शुरूआत कर दी है। यह ट्रेनें 4,480 फेरे लगाएंगी। रेल मंत्रालय ने कहा है कि दिल्ली-पटना, दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, दानापुर-सहरसा, दानापुर-बंगलूरू, अंबाला-सहरसा, मुजफ्फरपुर-यशवंतपुर, पुरी-पटना, ओखा जैसे रेलवे मार्गों पर देशभर के प्रमुख स्थलों को जोड़ने के लिए विशेष ट्रेनों की योजना बनाई गई। नाहरलागुन, सियालदह-न्यू जलपाईगुड़ी, कोचुवेली-बंगूलरू, बनारस-मुंबई, हावड़ा-रक्सौल मार्ग पर भी विशेष ट्रेनें चलेंगी।

पूर्व नौसैनिकों को कतर में फांसी की सजा का मामला

कूटनीति के सारे घोड़े खोलने का वक्त, नजरें 18 दिसंबर पर

नई दिल्ली , एजेंसी।

चीन से लेकर कनाडा व रूस-यूक्रेन युद्ध में पश्चिमी देशों से लेकर अमेरिका तक को दो-टूक कहने से संकोच नहीं करने वाले भारत के लिये फिलहाल छोटे से खाड़ी देश कतर ने एक ऐसी मुश्किल खड़ी कर दी है कि भारतीय कूटनीति के लिये भी परीक्षा की घड़ी जैसा वक्त है। कतर में 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों को फांसी की सजा की खबर ने भारतीय राजनय को मुश्किल में डाल दिया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने कतर के इस फैसले के बाद केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। वहीं भारत के लिये 18 दिसंबर महत्वपूर्ण हो गया है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि भारत इस मसले को कतर के सामने भी उठाया है मगर कूटनीति में पूरी दुनिया में भारत का झंडा

गाड़ने वाले जयशंकर के लिए खाड़ी देश कतर ने एक ऐसा टास्क दे दिया है जो मुश्किल भरा होगा। कतर शरिया कानून के तहत शासन करता है। अब कतर के अमीर तमीम बिन अहमद अल थानी के पास ही इन भारतीय पूर्व नौसैनिकों को माफी देने का अधिकार है। कतर में दो मौकों पर अमीर यहां के कैदियों को माफी देते हैं। पहला, रमजान के मौके पर दूसरा कतर के राष्ट्रीय दिवस को। चूंकि रमजान का मौका तो निकल चुका है। ऐसे में अब 18 दिसंबर को कतर के राष्ट्रीय दिवस के मौके पर भारतीय नागरिकों के लिए माफी का मौका है। यानी घड़ी की टिक-टिक बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। भारत को कूटनीतिक रिश्तों के अपने सारे घोड़े खोलने होंगे तभी पूर्व नौसैनिकों को राहत मिल सकती है।

ज्ञात हो कि सजा पाए लोगों में पूर्व भारतीय नौसेना कर्मी कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और नाविक रागेश शामिल हैं।

मोबाइल कांग्रेस की शुरुआत की कांग्रेस ने

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भारत मंडपम, प्रगति मैदान में 7वें भारतीय मोबाइल कांग्रेस 2023 का उद्घाटन किया। मोदी ने यहां आयोजित प्रदर्शनी का भी मुआयना किया और उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे आकाश अंबानी उन्हें नई तकनीक की जानकारी देते हुए नजर आए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देशभर में शैक्षणिक संस्थानों को '5जी यूज केस लैब्स' प्रदान किया। इन प्रयोगशालाओं को '100 5जी लैब्स पहल' के तहत विकसित किया जा रहा है। भारतीय मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) एशिया का सबसे बड़ा दूरसंचार, मीडिया और प्रौद्योगिकी मंच है। यह आयोजन दूरसंचार और प्रौद्योगिकी में भारत की अविश्वसनीय प्रगति को रेखांकित करने, महत्वपूर्ण घोषणाएं तथा स्टार्ट-अप को को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। इसमें आधुनिक तकनीक पर चर्चा होंगी।

मेट्रो एंकर

डॉक्टर, अफसर, टीचर कपल वाला संयोग सेना में

वायुसेना में भी अब एयर मार्शल कपल...!

नई दिल्ली, एजेंसी।

अक्सर यह देखा व सुना जाता है कि किसी दंपति के पेशे व पद-कद बराबर के हैं। मसलन डॉक्टर पति-पत्नी, टीचर कपल यहां तक कि आईएएस और आईपीएस पति-पत्नी भी देखने को मिल जाते हैं। मगर 'तीन-स्टार' वाला जोड़ा मिलना दुर्लभ है। हमारी वायुसेना में एक ऐसा ही कपल है। दरअसल, हाल ही में जब एयरफोर्स में जब साधना सक्सेना नायर को एयर मार्शल की रैंक पर प्रमोट किया गया तो नायर कपल ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली। साधना एक डॉक्टर हैं, उन्होंने तीन दिन पहले अस्पताल सेवा (सशस्त्र बल) के महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। फाइटर पायलट व उनके पति एयर मार्शल केपी नायर 2015 में भारतीय वायुसेना के महानिदेशक (निरीक्षण एवं उड़ान सुरक्षा) पद से रिटायर हुए थे। एक अधिकारी ने कहा, 'ये भारतीय वायुसेना में पहले और एकमात्र एयर मार्शल दंपति हैं।' नायर से पहले कनितकर कपल थे जो 2020 में सशस्त्र बलों में तीन सितारा अधिकारियों का उच्च पद हासिल करने वाले पहले जोड़े बने थे। सेना में लेफ्टिनेंट-जनरल माधुरी कनितकर (जो एक डॉक्टर भी हैं) ने तब अपने पति लेफ्टिनेंट-जनरल राजीव कानितकर के साथ यह उपलब्धि हासिल की थी। उनके पति राजीव 2017 में क्वार्टर मास्टर जनरल पद से रिटायर हुए थे। उल्लेखनीय है कि महिला चिकित्सा अधिकारियों को शुरू से ही सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशन मिल रहा है, जबकि दूसरी शाखाओं में स्थिति अलग है। अब सेना में लैंगिक असमानता को समाप्त करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यह हो रहा है। महिला अधिकारी अब लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर सेवा दे रही हैं और तोपखाने रेजिमेंट में हॉवित्जर और रॉकेट सिस्टम संभाल रही हैं।

सात दशक, तीन पीढियां

एयर मार्शल साधना नायर के परिवार की तीन पीढ़ियां पिछले सात दशकों में भारतीय वायुसेना में सेवा दे चुकी है। उनके पिता और भाई भी आईएएफ में डॉक्टर थे जबकि उनका बेटा फाइटर पायलट (फ्लाइट लेफ्टिनेंट) है। एयर मार्शल साधना नायर दूसरी महिला अधिकारी हैं जिन्होंने आईएएफ (सैन्य डॉक्टरों को दूसरी सेवा में तैनात किया जा सकता है) में एयर मार्शल के पद पर प्रमोट किया गया है। पहली एयर मार्शल पद्म बंदोपाध्याय (रिटायर्ड) थीं। साधना नायर अपनी पिछली नियुक्ति के तहत बेंगलुरु में आईएएफ प्रशिक्षण कमान में प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर थीं। तीन सितारा रैंक तक पहुंचने वाली एक अन्य महिला डॉक्टर नौसेना में सर्जन वाइस एडमिरल पुनिता अरोड़ा (सेवानिवृत्त) थीं।

तालाबों के किनारे अतिक्रमणकारियों से त्रस्त निगम, करोड़ों खर्च करने की बना रहा योजना

इस राशि से बड़े तालाब समेत सभी तालाबों को सुरक्षित करने की है योजना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तालाबों के संरक्षण में निगम पिछड़ता ही जा रहा है लेकिन अतिक्रमणकारी है कि कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। स्थिति यह है कि रात भर में तालाबों के किनारे पक्के अतिक्रमण हो रहे हैं। इसकी भनक निगम के अधिकारियों को तब लगती है, जब कोई शिकायत करते हैं लेकिन इसके बाद भी निगम कुछ कर नहीं पाता है क्योंकि तब तक पक्का निर्माण हो चुका होता है। तालाबों की चिंता करने वाले पर्यावरणविद आए दिन निगम को एनजीटी में घसीट रहे हैं। बीते कुछ महीने में निगम और सरकार की खूब किरकिरी हुई है।

एनजीटी जुर्माना लगा रहा है, अब तक जुर्माने की राशि करोड़ों में पहुंच चुकी है जिसे निगम चुका तक नहीं पा रहा है। कुछ मामलों में तो निगम ने मोटी फीस देकर वकील किए हैं और मामला सुप्रीम कोर्ट में लगा दिया है। यह पूरी उलझन तालाबों को सुरक्षित नहीं कर पाने के कारण हो रही है। अब निगम इन तालाबों के संरक्षण की योजना पर काम कर रहा है, जिसमें करोड़ों रुपये खर्च होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि बड़ा तालाब, कलियासोत नदी, सिद्दीक हसन तालाब सहित छोटा तालाब और अन्य जलाशयों पर हुए अतिक्रमण और लगातार इन जलराशियों में मिल रही गंदगी को लेकर कई सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता अलग-अलग आठ से अधिक याचिकाएं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में लगा चुके हैं। इनमें से तीन मामलों में एनजीटी निगम को अतिक्रमण हटाने का आदेश देने के साथ ही करीब सवा अरब रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (जुर्माना) लगा चुका है। इससे बचने को निगम सुप्रीम कोर्ट में अपील कर रहा है। जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने बीते तीन वर्ष पहले बड़े तालाब के आसपास करीब 1300 अतिक्रमण चिंन्हित किए थे। इनमें 980 लोगों को नोटिस भी भेजा गया। लेकिन कार्रवाई किसी के खिलाफ नहीं की गई। जिससे इन तीन वर्षों में यहां 20 प्रतिशत अधिक अतिक्रमण और बढ़ गया।

बीते वर्ष चुकाने पड़े थे 10-10 हजार रुपए

10वीं, 12वीं बोर्ड कक्षाओं के फार्म भरने में चूके विद्यार्थी, दो हजार रुपये चुकाने पड़ रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के फार्म भरने से कई विद्यार्थी और अभिभावक चूक गए हैं। अब इन्हें विलंब शुल्क दो हजार रुपये के साथ फार्म भरने पड़ रहे हैं। उक्त राशि चुकाकर 31 अक्टूबर तक फार्म भरे जाएंगे। इस दिन तक जिन्होंने फार्म नहीं भरे, उन्हें 5 हजार रुपये विलंब शुल्क चुकाना पड़ेगा।

भोपाल में 500 विद्यार्थियों के फार्म जमा नहीं

जानकारी के मुताबिक अकेले भोपाल में 10वीं, 12वीं के 500 विद्यार्थ्रियों के फार्म नहीं भरे गए हैं। इन्हें विलंब शुल्क चुकाना पड़ रहा है।

बीते वर्ष चुकाने पड़े थे 10-10 हजार रुपये

बीते वर्ष शहर के सैंकड़ों विद्यार्थ्रियों के साथ एक कैफे संचालक ने गड़बड़ी कर दी थी। इसके लिए विद्यार्थी और उनके अभिभावक जिम्मेदार नहीं थे बल्कि संबंधित स्कूल के शिक्षक और प्रचार्यों की गलती थी। इन्होंने उक्त कैफे संचालक को थोक में फार्म भरने का ठेका दे दिया था। जिसके द्वारा उक्त राशि से जमीन खरीद ली गई थी और फार्म नहीं भरे थे। बाद में ऐसे विद्यार्थियों को परीक्षा से बाहर होने की नौबत बन गई थी।

मंडल ने यह तय की थी फार्म भरने की तारीखें

- मंडल की 10वीं व 12वीं परीक्षा के फार्म जमा करने की तिथि 30 सितंबर तक 1200 रुपये नियमित शुल्क के साथ निर्धारित की थी।
- एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ फार्म जमा करने की अनुमति दी।
- 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दो हजार रुपये विलंब शुल्क के साथ फार्म जमा किए जा सकते हैं।
- 1 नवंबर से 15 नवंबर तक पांच हजार रुपये विलंब शुल्क लगेगा।
- 16 नवंबर से 30 नवंबर तक 10 हजार रुपये विलंब शुल्क लगेगा।
- इस अवधि तक भी फार्म नहीं भरे गए तो परीक्षा शुरू होने के 10 दिन पहले तक 12 हजार रुपे विलंब शुल्क के साथ फार्म जमा किए जाएंगे

यूजी व पीजी के विद्यार्थी 31 अक्टूबर तक करा सकेंगे प्रवेश नवीनीकरण

भोपाल। स्नातक (यूजी) द्वितीय व तृतीय वर्ष और स्नातकोत्तर (पीजी) तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश नवीनीकरण की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर हो गई है। अब भी दो लाख विद्यार्थियों के पिछली कक्षाओं के परिणाम में देर होने से वे अगली कक्षा में प्रमोट नहीं हो सके हैं। इसका कारण यह है कि कई विश्वविद्यालयों ने यूजी प्रथम व द्वितीय वर्ष के साथ-साथ पीजी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं घोषित नहीं की है। अब विद्यार्थियों के पास करीब पांच दिन का समय है। इससे पहले तक 30 सितंबर तक का समय दिया था।

नूतन कालेज में क्यूआर कोड वाले औषधीय पौधों की वाटिका

भोपाल। राजधानी के सरोजिनी नायडू शासकीय गर्ल्स कालेज में मप्र बायोडायवर्सिटी बोर्ड के सहयोग से बाटनी और नेचर क्लब के 60 छात्राओं के द्वारा 50 रेयर और औषधीय पौधे की वाटिका तैयार की गई है, जिसका ख्याल भी छात्राएं खुद रख रही है तथा रेड डाटा किताब के माध्यम से छात्राओं को अपने ही देश के पौधे को श्रेणीबद्ध करना उसके वैल्यू, फायदे और इस्तेमाल के तरीके भी बताये जा रहे हैं।

खास बात यह है कि सभी पौधों पर क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं, जिससे उसे स्केन कर पौधे के बारे में पढ़ सकेंगे। एक साल पहले प्लांट किए गए सभी पौधे अब बड़े हो गए हैं और बखूबी से पर्यावरण को शुद्ध कर रहे हैं।नेचर क्लब की हेड डा. दिप्ति संकत का कहना है कि अक्सर गार्डन में विदेशी पौधे ही देखने को मिलते हैं जो बाहर के देश से आते है। एमपी बायोडायवर्सिटी बोर्ड के इस कान्सेप्ट का उद्देश्य स्थानीय पौधे को संरक्षण करना है। वाटिका तैयार करने से पहले मैं सिलेबस के अनुसार नर्सरी से वैसे चुनिंदा पौधे लेकर आई हूं जो रेयर हैं और छात्रों के लिए नए हैं। संकत ने बताया कि जब ये पौधे अच्छे से बड़े हो जाएंगे। तब छात्राएं और समूह प्रमुख मिलकर पौधे का प्रचार भी करेंगे। जिसमें छात्राएं एक पौधे से दस पौधे बना कर उसे खुद से सेल भी करेंगे। हर रोज छात्रों को पौधे के बारे में बताया जा रहा है।

हनुमानजी को साष्टांग प्रणाम, पत्नी ने किया तिलक

हुजूर विधानसभा सीट पर नामांकन भरा रामेश्वर ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

हनुमानजी को साष्टंग करने के बाद तहसील कार्यालय पहुंचकर हुजूर से बीजेपी उम्मीदवार मौजूदा विधायक रामेश्वर शर्मा ने परचा दाखिल किया। बंगले से पत्नी संगीता शर्मा ने तिलक लगाकर दही खिलाकर रवाना किया। शुभ मुहूर्त में हुजूर विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर आशुतोष शर्मा को परर्चा सौंपा। शर्मा नामांकन पत्र के दो अलग-अलग सेट दाखिल किए। परचा जमा करने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए रामेश्वर ने कहा जब से राजनीति में आया हूं, मैंने जन सेवा का सनातन संकल्प लिया है। सनातन संकल्प कभी खाली नहीं जाता। इसे सदैव निभाऊंगा। बीते 10 सालों में क्षेत्र की सेवा और जनकल्याण में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है।

यह रहे साथ : भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील वासवानी, रमेश वर्मा, भागीरथ पाटीदार, बालाराम मीणा, रमेश जनयानी, ओमप्रकाश मेवाड़ा, हरिनारायण पटेल, प्रकाश अहिरवार, रघुनाथ सिसोदिया, चंद्रेश सुरेश राजपूत, धन्नालाल बघेल, सुमारैया जामोद, सरदार बारमेया मौजूद रहे।

मतदाताओं को जागरुक करने रासेयो के स्टूडेंट्स ने की प्रतियोगिता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की यूटीडी इकाई द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं। इसके अंतर्गत गुरुवार को रासेयो के स्वयं सेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ रोहित राजवैद्य एवं इकाई के कैंपस एम्बेसडर बीरबल परमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय, विभागों के छात्र छात्राओं के साथ मिलकर रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान निरीक्षक के रूप में डॉ. सुलभा अमलाथे विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग यू आई टी, डॉ शशि यादव सहायक प्राध्यापक ह्यूमैनिटीज विभाग एवं डॉ अंशु सिंह सहायक प्राध्यापक मैथमेटिक्स ने छात्र छात्राओं के द्वारा बनाई गई रंगोली एवं मेंहदी का निरीक्षण किया।इस दौरान इकाई के सभी वरिष्ठ स्वयं सेवक एवं विभाग के अन्य सभी छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

पार्किंग, गंदगी और कलारी के चलते व्यापारियों ने बनाई दूरी

ननि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर 3 दशक से कलारी का ग्रहण

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में 30 साल पहले एक करोड़ की लागत से बने नगर निगम के शॉपिंग कॉम्लेक्स की पूरी दुकानें लीज पर नहीं जा सकी हैं। कॉम्प्लेक्स में शराब की दुकान इसकी सबसे बड़ी वजह है, तीन दशक में दुकान कॉम्प्लेक्स से शिफ्ट नहीं हो सकी है। कलारी की वजह होने वाली गंदगी पर महापौर ने नाराजगी तो जताई, लेकिन शिफ्टिंग को लेकर कुछ नहीं कहा।

व्यावसायिक उपनगर में जहां एक दुकान करोड़ की हैं, वहां नगर निगम के कॉम्प्लेक्स में दुकानें खाली पड़ी हैं। पार्किंग के लिए जगह न होना, शुरूआत में ही शराब की दुकान खुलना और गंदगी के चलते व्यापारियों ने कॉम्प्लेक्स में रूचि नहीं ली। 66 में से 13 दुकानें अभी भी खाली पड़ी हैं।

मेन रोड पर नगर निगम ने 1992 में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स इस उम्मीद से बनाया था कि दुकानें पहली ही नीलामी में बिक जाएंगी। पहले ही दौर में नीलामी राशि अधिक होने से दुकानें नहीं बिकीं। कलारी जरूर खुल गई, जिसकी वजह से कॉम्प्लेकस से व्यापारियों ने किनारा कर लिया, कलारी की मौजूदगी से ग्राहकों की रौनक कभी कॉम्प्लेक्स में नहीं आ सकी।

30 वर्ष पहले एक करोड की लागत से बना था कॉम्प्लेक्स

तो आधी खाला होता: *दो मंजिला है शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भूतल और पहले तल पर दुकानें हैं। दूसरे तल पर भारतीय स्टेट बैंक, झरनेवर नागरिक सहकारी बैंक और दूसरे तल पर नगर निगम का जोन कार्यालय है, जिससे कॉम्प्लेक्स में हलचल रहती है। यदि बैंकिंग संस्थान को हटा दिया जाए तो कॉम्प्लेक्स खाली हो जाएगा।*

कलारी जल्द हटेगी

निगम निगम शॉपिंग काम्प्लेक्स में 66 दुकानें हैं, जिनमें से 13 दुकानें अभी भी खाली हैं। कॉम्प्लेक्स से शराब की दुकान हटाने का प्रस्ताव कई बार जोन स्तर पर भेजा गया, लेकिन प्रस्ताव पर फैसला नहीं हो सका। हमेशा अधिकारी जल्द कलारी हटेगी की बात कहते हैं।

छोटी-बड़ी खबरें

ओपीएस के समर्थन में प्रधानमंत्री को लिखेंगे पांच लाख पोस्टकार्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के एनपीएस धारक 5 लाख कर्मचारी नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस लागू करने की मांग के समर्थन में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मध्य प्रदेश से 5 लाख पोस्टकार्ड लिखकर भेजेंगे पोस्टकार्ड अभियान एक नवंबर 2023 मप्र के स्थापना दिवस से शुरू किया जाएगा यह निर्णय कर्मचारी मंच की ओ पी एस आंदोलन समिति द्वारा लिया गया।

फार्मेसी : दिसंबर के अंतिम सप्ताह में काउंसलिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) द्वारा फामेर्सी कॉलेजों करीब 10 हजार से अधिक सीटें भरने के लिए दिसंबर के अंतिम सप्ताह में काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसमें 50 से अधिक नए फार्मेसी कॉलेजों की करीब पांच हजार और पुराने कॉलेजों की खाली 25 फीसदी सीटों को शामिल किया जाएगा।

17 नवम्बर को सार्वजनिक अवकाश घोषित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शासन ने परक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंटस एक्ट) 1881 के अंतर्गत प्रदेश में विधानसभा आम चुनाव - 2023 के मतदान के लिये 17 नवम्बर 2023 शुक्रवार को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है।

मप्र में विधानसभा चुनाव में प्रचार में बाजी मार रही भाजपा

भाजपा ने चौतरफा की घेराबंदी, कांग्रेस से मैदान में सिर्फ नाथ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव के प्रचार और नेताओं के दौरों में नामांकन दाखिलों के साथ ही तेजी आ रही है। भाजपा नेताओं ने बीते दो दिनों से पूरी ताकत के साथ दौरे सभा करके माहौल को गाढा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। उसके तमाम वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री रणनीति के तहत अब रोज प्रदेश के हर अंचल से कांग्रेस व विपक्ष पर हमलावर हैं। कांग्रेस की तरफ से अभी वरिष्ठ नेता कमलनाथ ही मैदान में उतरें हैं। वे तीन दिन छिंदवाड़ा में जनसंपर्क व नामांकन के बाद अब अन्य जिलों के दौरे पर निकले है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी विधानसभा में बकतरा से लेकर सलकनपुर तक गांव गांव जनसंपर्क किया है और जन आशीर्वाद यात्रा निकाली। जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान ग्राम वासियों चुनाव लड़ने आशीर्वाद के साथ सहयोग निधि भी उन्हें सौंपी। अपने निर्वाचन क्षेत्र के गांवों में शिवराज ने देर रात तक जनसंपर्क किया है।

हरदा में नरेंद्र सिंह तोमर और कमल पटेल

छिंदवाड़ा सभा में कमलनाथ के साथ निशा बांगरे

जमानत जब्त कराएं विपक्ष की- कैलाश

भाजपा महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सीधी व सिंहावल में भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल कराए व सभा मे अपील की कि जनता अब विपक्ष के सभी प्रत्याशियों की जनता जमानत जब्त कराए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में भारत की जनता अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनते हुए देख रही है। अगले वर्ष 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर जनता को लोकार्पित होगा।

हूटर पर भड़के साहू, स्कूटर पर सारंग

गोविंदपुरा विधानसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी रविंद्र साहू झूमरवाला ने नामांकन पत्र दाखिल करने हूटर लगी कार में सवारी की। जब मीडियाकर्मियों ने उनसे इस बारे में सवाल किया तो वह भड़क गए और कहने लगे कि मेरे पास इसकी परमिशन है। मैं कपड़ों से लेकर गमछा तक ईमानदारी का पहनता हूं और बीजेपी के नेताओं की तरह नहीं हूं। वहीं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि आचार संहिता के दौरान किसी भी वाहन में हूटर लगाने की कोई अनुमति नहीं दी जा सकती है। इस संबंध में पहले ही अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। वहीं मंत्री सारंग अपना नामांकन दाखिल करने स्कूटर पर सवार होकर पहुंचे।जबकि रामेश्वर शर्मा समर्थकों के साथ साफा बांधकर कलेक्टोरेट आये।

ग्वालियर में ज्योतिरादित्य

चुरहट में अजय सिंह

मुहुर्त के प्रति सजग दिखे कमलनाथ

कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व सीएम कमलनाथ अपना नामांकन दाखिल करते वक्त मुहुर्त के प्रति सजग नजर आये। उन्होंने सभा में जनता का आभार करते हुए कमलनाथ ने कहा कि मुझे थोड़ी देर में अपना नामांकन भरना है, उन्होंने कहा कि जैसे आप मुहूर्त निकलवाते है, मैंने भी निकलवाया है। इसलिए समय से नामांकन भरना जरूरी है। इस मौके पर मौजूद नौकरी छोड़कर राजनीति में आने वाली निशा बांगरे के लिये नाथ ने कहा कि उनका उपयोग मप्र की राजनति में किया जाएगा।

बिजली बिल माफी के नाम पर धोखा किया सरकार ने- कांग्रेस

इधर कांग्रेस ने शिवराज सरकार पर एक किलोवाट तक के बिजली उपभोक्ताओं से धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक किलोवाट तक के बिल माफ करने की जो घोषणा की थी, वह धोखाधड़ी थी। किसी भी उपभोक्ता का बिल माफ नहीं किया गया। ऊर्जा विभाग ने आदेश भी केवल बिल स्थगित करने का निकाला। वहीं, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की खपत बिना बताए एक किलोवाट से बढ़ाकर दो किलोवाट कर दी, ताकि किसी को माफी न देनी पड़े। उन्होंने आरोप के समर्थन में तीन लाख 85 हजार उपभोक्ताओं के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए।

हेमामालिनी व अनाचार पर भी बोलें - कांग्रेस

इधर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी द्वारा कांग्रेस पर महिला उत्पीड़न के आरोपियों को टिकट देने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता महिलाओं को अशोभनीय शब्दों से संबोधित करते रहे हैं। इस मामले में उन्होंने कांग्रेस के आधा दर्जन नेताओं के नाम भी गिनाए। इस पर कांग्रेस प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि लेखी को मध्यप्रदेश की नारियों पर हो रहे अनाचार,दुराचार,मानव तस्करी पर भी बोलना चाहिये। वे हेमामालिनी को नचवाने वाली मनोवृत्ति पर चुप क्यों हैं? गुप्ता ने कहा कि लेखी मप्र में मंहगाई, बेरोजगारी, भूख, गरीबी, अशिक्षा, खाली पड़े कालेजों की चर्चा क्यों नहीं करतीं तथा 1000 रुपये गिनाकर मध्यप्रदेश की महिलाओं पर अहसान न लादें, यह जनता के टैक्स के से दिया गया पैसा है भाजपा के घर का दान नहीं?

भोपाल में कांग्रेस-भाजपा समेत 29 नामांकन

नरेला से मनोज शुक्ला ने नाकांकन जमा किया।

इधर, नामांकन प्रक्रिया में कल से तेजी आ गई है। जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन जमा करने की प्रक्रिया के चौथे दिन भाजपा-कांग्रेस के 10 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र जमा किए हैं। इनमें छह कांग्रेस और चार भाजपा प्रत्याशी शामिल हैं। प्रमुख दलों और निर्दलियों सहित गुरुवार को कुल 29 नामांकन पत्र जमा किए गए। जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन जमा करने की प्रक्रिया के चौथे दिन भाजपा-कांग्रेस के 10 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र जमा किए हैं। इनमें 6 कांग्रेस व 4 भाजपा प्रत्याशी शामिल हैं। प्रमुख दलों और निर्दलियों सहित गुरुवार को कुल 29 नामांकन पत्र जमा किए गए। आज भी सिलसिला चल रहा है। इनमें हुजूर से नरेश ज्ञानचंदानी ने नामांकन पत्र जमा किया है, जबकि आनंद सबधाणी ने उनके साथ ही डमी नामांकन किया है। इसी तरह उत्तर से आतिफ अकील ने तीन नामांकन जमा किए हैं। मध्य से आरिफ मसूद, गोविंदपुरा से रविंद्र साहू झूमरवाला, नरेला से मनोज शुक्ला, दक्षिण-पश्चिम से पीसी शर्मा ने नामांकन पत्र जमा कर दिया है। कांग्रेस की ओर से बैरसिया विधायक प्रत्याशी जयश्री हरिकरण नामांकन जमा करने के लिए शेष रह गई हैं।

हुजूर से नरेश ज्ञानचंदानी नाकांकन जमा किया।

इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर की आज से काउंसलिंग शुरू, 31 अक्टूबर अंतिम तारीख

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के कॉलेजों की खाली सीटों का भरने के लिए शुक्रवार से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। नए शेड्यूल के अनुसार 27 से 30 अक्टूबर तक इंजीनियरिंग और 27 से 31 तक आर्किटेक्चर की काउंसलिंग की जाएगी। एआईसीटीई ने तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव को आदेश देते हुए कहा है कि वे 31 अक्टूबर तक प्रवेश करा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि डीटीई द्वारा हाल ही में चलाए गए चार दिन के अतिरिक्त सीएलसी राउंड में इंजीनियरिंग में मात्र 710 एडमिशन हुए हैं। अभी तक इंजीनियरिंग की सभी ब्रांचों में अब तक 40,424 एडमिशन हुए हैं। करीब 29 हजार से अधिक सीटें खाली रह गई हैं। इसमें प्रदेश में संचालित दो दर्जन डिप्लोमा और यूजी-पीजी डिग्री कोर्स में प्रवेश होंगे। इसके चलते प्रदेश में नये कालेजों ने आमद दर्ज करा दी है, जिससे खाली सीटों का ग्राफ बढ़ गया है।

कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की जानकारी दी सीईओ राजन ने

निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव में मीडिया का सहयोग जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकतंत्र के विकास में मीडिया की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सम्पन्न कराने के लिये मीडिया का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। वास्तविक जानकारी मतदाताओं तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

यह बात विधानसभा निर्वाचन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में राजन ने कहा कि आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा पिछले विधानसभा निर्वाचन से दोगुना कीमत की अवैध नकदी, सोना-चांदी, जेवर, मादक पदार्थों की जब्ती की कार्यवाही की जा चुकी है। राजन ने बताया कि वरिष्ठ मतदाता एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गयी है। प्रदेश में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये मतदाता जागरूकता की विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। श्री राजन ने मीडिया प्रतिनिधियों से मतदाताओं को मतदान अवश्य करने के लिए प्रेरित करने के लिये अपने संचार माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आव्हान भी किया।

मीडिया कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक डॉ. वाय.पी. सिंह एवं प्रो. पी.एन. सनेशर द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग के मीडिया के संबंध में सभी दिशा-निर्देशों एवं सहयोग की अपेक्षा से जुड़े बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

मेट्रो एंकर निजी स्कूलों का कहना- जारी आदेश में आरटीई के बच्चों का कोई जिक्र नहीं

अंकसूची के लिए परीक्षा शुल्क के आदेश, आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों को भूले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा बोर्ड पैटर्न पर कराई गई पांचवी-आठवीं की मुख्य परीक्षा की अंकसूची में लेटलतीफी के बाद अब अंकसूची को लेकर जारी किए गए आदेश को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। राज्य शिक्षा केंद्र ने हाल ही में इन कक्षाओं की अंकसूची को लेकर सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही निजी स्कूलों के लिए परीक्षा शुल्क जमा होने के बाद अंकसूची जारी करने की बात कही है। हालांकि इस बीच निजी स्कूलों में आरटीई के तहत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

आधा सत्र बीतने के बाद अंकसूची को लेकर आदेश जारी हुए: प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा बोर्ड पैटर्न पर कराई गई परीक्षा में परेशान होने के बाद अब निजी स्कूल अंक सूची और आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों की परीक्षा शुल्क को लेकर परेशान हैं। आरएसके द्वारा आधा सत्र बीतने के बाद अंकसूची को लेकर आदेश जारी किए गए हैं। इस आदेश के बाद असमंजस की स्थिति बनी हुई है। आरटीई के तहत स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की फीस का भुगतान शासन द्वारा किया जाता है। ऐसे में इन बच्चों के परीक्षा शुल्क का भुगतान निजी स्कूल कैंसे करें। विभाग द्वारा इसको लेकर स्पष्ट निर्देश भी जारी नहीं किए गए हैं।

निजी स्कूलों का शुल्क तय किया

उल्लेखनीय है कि राज्य शिक्षा केंद्र (आरएसके) द्वारा अप्रैल में बोर्ड पैटर्न पर कराई गई 5-8वीं की वार्षिक परीक्षा की मार्कशीट को लेकर अब करीब 6 माह बाद आदेश जारी किए है। इसके साथ ही आरएसके ने मार्कशीट को लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए निजी स्कूलों का शुल्क भी तय किया है। अब मार्कशीट नवंबर माह में ही बच्चों तक पहुंच पाएंगी। आरएसके द्वारा सभी जिला परियोजना समन्वयकों को प्री-प्रिंट फॉर्मेट और मूल फॉर्मेट दो प्रकार के फॉर्मेट उपलब्ध कराए गए हैं। आपरेटर पहले प्री फॉर्मेट में प्रिंट निकालेंगे, फिर मूल फॉर्मेट में मार्कशीट प्रिंट कर स्कूलों को सौंपेंगे। वहीं प्राइवेट स्कूल संचालकों दर्ज बच्चों की संख्या के अनुसार परीक्षा शुल्क देने के बाद ही मार्कशीट मिल पाएगी।

सुविचार

''आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो, प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है!''

-अज्ञात

संपादकीय

अंतरिक्ष की सैर, शोध का दौर

गगनयान आजकल चर्चा व उत्सुकता का विषय है। अंतरिक्ष की सैर का माध्यम बनने वाले इस यान का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण कर भारत ने मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन के क्षेत्र में कदम रख दिया है। यह चंद्रमा और सूर्य के अध्ययन के लिए अंतरिक्ष यान भेजने में मिली कामयाबी के बाद का चरण है। यह अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान इसरों की कामयाबी का नया मुकाम है। हालांकि गगनयान का मकसद किसी शोध से नहीं, बल्कि लोगों को अंतरिक्ष की सैर कराने से जुड़ा है। चार सौ किलोमीटर ऊपर की कक्षा में अभी तीन दिनों के सफर की योजना है, आगे तकनीकी क्षमता विकसित होने पर निस्संदेह इसकी अवधि और दूरी बढ़ाने पर विचार होगा। यह वैज्ञानिक उपलब्धि के अलावा अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में भी सहायक होगा। गगनयान टीवी-डी1 का मकसद पृथ्वी से चार सौ किलोमीटर की कक्षा में मनुष्य को भेजना और फिर उन्हें सुरक्षित वापस लाना है। हालांकि अभी इस योजना का प्रायोगिक चरण पूरा हुआ है। अब अगले साल इस यान में एक रोबोट को भेजा जाएगा। फिर 2025 में तीन लोगों को बिठा कर तीन दिन के लिए भेजा जाएगा। अगर यह मिशन कामयाब होता है, तो भारत मानवयुक्त अंतरिक्ष यान भेजने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। इसके पहले अमेरिका, रूस और चीन अंतरिक्ष में मनुष्य को सैर के लिए भेजने का परीक्षण कर चुके हैं। दरअसल, अंतरिक्ष में यान भेजना और उसे फिर से धरती पर सकुशल उतार पाना एक कठिन चुनौती है, इसलिए ऐसे अभियानों को लेकर वैज्ञानिक प्रायः सशंकित रहते हैं। गगनयान को भी इसीलिए पूरी तरह सुरक्षित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यान के जिस हिस्से में लोगों को बिठा कर भेजा जाएगा, उसे इस तरह बनाया गया है कि उसमें पृथ्वी जैसा वातावरण रहे और समुचित भोजन आदि की व्यवस्था मिले, मगर सबसे बड़ी चुनौती किन्हीं अनपेक्षित व विषम परिस्थितियों में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाने की है। अंतरिक्ष सदा से मनुष्य के लिए रहस्य रहा है। अंतरिक्ष में जाना और उसे देखना, अनुभव कर पाना बहुत सारे लोगों के लिए एक रोमांचक सपने की तरह है। ऐसे में तकनीकी रूप से सक्षम हर देश सुगम अंतरिक्ष यात्रा को न सिर्फ एक वैज्ञानिक उपलब्धि के रूप में हासिल करना चाहता है, बल्कि इसे एक नए कारोबारी क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। कुछ निजी उद्यमी भी इस क्षेत्र में उतरने को आतुर दिखते हैं। एलन मस्क भी घोषणा कर चुके हैं कि 2025 में वे अंतरिक्ष की सैर कराने का अपना कारोबार शुरू कर देंगे। इस दृष्टि से भारत का गगनयान भी अंतरिक्ष की सैर पर जाने को तैयार हो रहा है। उत्साहजनक यह है कि इस यान को पूरी तरह देशी तकनीक से तैयार किया गया है। पहले ही पीएसएलवी, चंद्रयान और आदित्य एल-1 जैसे यान पूरी तरह भारतीय तकनीक से विकसित होकर कामयाबी हासिल कर चुके हैं। अंतरिक्ष में पहुंच बनाना और निरंतर नई-नई संभावनाओं की तलाश करते रहना अब केवल जिज्ञासा शमन के लिए नहीं, बल्कि कारोबारी दृष्टि से भी जरूरी हो चुका है। भारत ने देशी तकनीक से प्रक्षेपण यान विकसित कर अब दुनिया के उपग्रह प्रक्षेपण कारोबार में अपनी एक मजबूत स्थिति बना ली है। यह दुनिया में सबसे सस्ती दरों पर उपग्रह प्रक्षेपण करता है, जिससे बहुत सारे देश इसकी मदद पर निर्भर हैं। इसी तरह चंद्रमा, मंगल, शुक्र आदि ग्रहों पर यान भेज कर न केवल उनकी वास्तविकता समझने की कोशिश की जा रही है, बल्कि वहां उपलब्ध खनिजों के उपभोग का भी अवसर जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं, कहा जा सकता है कि भारत की इन आसमानी छलागों ने उसे दुनिया के ताकतवर देशों की पांत में ला दिया है।

कविता

ताज़ा फिर बयान !

– कृष्णेन्द्र राय

जनता से गुजारिश ।
इनको अब हटाओ ।।
पकड़े ग़लत राह ।
मार्ग सही बतलाओ ।।
है इनका आतंक ।
ताज़ा फिर बयान ।।
चिंता वाली बात है ।
होगा देना ध्यान ।।
त्रस्त हुए हम सारे ।
नाक में है दम ।।
लड़ रहे हैं फिर भी ।
नहीं किसी से कम ।।
लौटेगी बहार फिर ।
दिन नहीं वो दूर ।।
है पाना छुटकारा ।
ना रहना मजबूर ।।

आज का इतिहास

- **1676** – पोलैंड और तुर्की ने वारसा की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- **1795** – अमेरिका और स्पेन ने सैन लोरेंजो की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- **1806** – फ्रांस की सेना बर्लिन में घुसी।
- **1810** – अमेरिका ने स्पेन के पूर्व उपनिवेश पश्चिमी फ्लोरिडा को अपने अधिकार में लिया।
- **1905** – नार्वे स्वीडन से अपना गठजोड़ समाप्त करके स्वतंत्र हो गया।
- **1910** – रूस और चीन के साथ कई वर्षों के युद्ध के बाद जापान को इन दोनों देशों पर विजय मिली।
- **1920** – लीग ऑफ नेशन का मुख्यालय जिनेवा स्थानांतरित किया गया।
- **1924**– उज़्बेक एसएसआर सोवियत संघ में मिला।
- **1946** – फ्रांस में जनमत संग्रह के बाद इस देश के चौथे राष्ट्रपतिकाल के संविधान को जनता की स्वीकृति मिली इस प्रकार फ्रांस में चौथा लोकतंत्र आरंभ हुआ।
- **1947** – जम्मू कश्मीर के राजा हरि सिंह ने भारत में जम्मू कश्मीर के विलय को स्वीकार कर लिया।
- **1958** – पाकिस्तान के राष्ट्रपति स्केदर मिर्जा को अपदस्थ कर जनरल अय्यूब खां पाकिस्तान के शासक बने।
- **1959** - पश्चिमी मेक्सिको में चक्रवाती तूफान से कम से कम 2000 लोग मरे।
- **1968**– मेक्सिको सिटी में 19वें ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
- **1978** - मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात और इजरायल के प्रधानमंत्री मेनाचेम को शांति का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया।
- **1982** - चीन ने अपनी जनसंख्या एक अरब से अधिक होने की घोषणा की।
- **1991** - तुर्कमिनस्तान की उच्च परिषद ने सोवियत संघ से इस देश की स्वतंत्रता को स्वीकृति दी।
- 1995 - यूक्रैन में कीव स्थित चेननोबिल परमाणु संयुत्र सुरक्षा संबंधी खामियों के कारण पूर्णतः बन्द किया गया।

युद्ध, अर्थव्यवस्था और मानवता की चुनौतियों के बीच हैरान करती है सैन्य खर्च में बढ़ोतरी

शंकर अय्यर

पवित्र ग्रंथ बाइबिल कहती है कि अगर कोई तुम्हारे दाएं गाल पर तमाचा मारे, तो बायां गाल भी उसकी ओर कर दो।' ये शब्द कितने ही बुद्धिमानी से भरे हों, लेकिन ये मनुष्यों और राजाओं को अपनी सीमाओं के विस्तार के लिए हथियार उठाने से कभी रोक नहीं पाए। युद्धों में पैसा ही नहीं, लोगों की जिंदगियां भी खर्च हो जाती हैं। आधुनिक युद्धों की शब्दावली जिन लड़ाकू विमानों और मिसाइलों से भरी है, जरा उनके संचालन की लागत पर गौर करें। बहुचर्चित एफ-35 की बात करें, तो अमेरिकी सरकार 2,500 विमानों पर 17 खरब डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है यानी कि प्रति विमान पर साढ़े सात करोड़ डॉलर का खर्च आएगा। जब यह उड़ रहा होगा, तब हर घंटे करीब 42 हजार डॉलर धुआं हो रहे होंगे। ज्यादा कुशल माने जाने वाले एफ-15 विमान की हर उड़ान में प्रति घंटे करीब 29 हजार डॉलर का खर्च आता है। आयरन डोम इस्राइल की सुरक्षा प्रणाली में कवच की तरह है। ऐसा अनुमान है कि पूरे इस्राइल में करीब दस आयरन डोम बैटरी हैं। हर बैटरी में 60 से 80 मिसाइलें हैं और हर मिसाइल की कीमत तकरीबन 40 हजार डॉलर है।

बीते रविवार को अमेरिकी सरकार ने अरबों डॉलर की अत्याधुनिक थाड प्रणाली भेजने की घोषणा की। बोईंग ने इस्राइल को 1800 जीपीएस आधारित बम किटों की शीघ्र डिलीवरी की घोषणा की, जिनमें से प्रत्येक किट की कीमत करीब 24 हजार डॉलर है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्वी भूमध्य सागर में 13 अरब डॉलर के विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती की घोषणा की। यह ग्रुप 75 लड़ाकू जेट, रडार और मिसाइल लॉन्चर से सुसज्जित है। एक टॉमहॉक मिसाइल की कीमत 15 लाख डॉलर और एक पैट्रियट मिसाइल की कीमत करीब 40 लाख डॉलर है।

युद्ध के हथियार वगैरह बनाने वाली कंपनियों के लिए युद्ध मुनाफे का समय होता है। यह शेयरों की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव से भी स्पष्ट होता है। सात अक्तूबर के हमलों के बाद इससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों में उछाल देखा गया। इस क्षेत्र की शीर्ष दस कंपनियों का वर्तमान बाजार पूंजीकरण 653 अरब डॉलर है। बिजनेस रिसर्च कंपनी द्वारा जारी 2023 की वैश्विक रक्षा बाजार रिपोर्ट कहती है कि 2027 तक रक्षा बाजार का आकार बढ़कर 718 अरब डॉलर का होने की उम्मीद है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि युद्धों की इस भारी-भरकम लागत का पैसा कहां से आता है? यह दरअसल, बहुत कुछ भू-राजनीति और घरेलू राजनीति पर निर्भर करता है। अब यूक्रेन के युद्ध को ही लें। 24 फरवरी, 2022 से अमेरिकी सरकार ने 40.4 अरब डॉलर से ज्यादा की सुरक्षा सहायता की प्रतिबद्धता जताई है, जो माल्टा और यमन जैसे देशों की संयुक्त जीडीपी के लगभग बराबर है। इस हफ्ते भी व्हाइट हाउस ने इस्राइल और यूक्रेन का समर्थन करने के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने का आह्वान किया है।

पर सवाल उठता है कि आतंकवादी समूहों को धन कैसे मिल पाता है? अमेरिका और उसके सहयोगियों का मानना है कि ईरान हमास, हिजबुल्ला और हौथिस जैसे आतंकी गुटों को धन व तकनीकी मुहैया कराता है। लेकिन सवाल फिर भी बना हुआ है कि इतने प्रतिबंधों के बावजूद धन इन गुटों के पास पहुंचता कैसे है? अमेरिकी सांसद एलिजाबे वॉरेन और सौ से ज्यादा दूसरे सांसदों ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान को एक पत्र लिखकर इस नई उभरती व्यवस्था की झलक दी। उनका दावा है कि अगस्त, 2021 से जून, 2023 के बीच हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) ने क्रिप्टो में 13 करोड़ डॉलर से ज्यादा राशि जुटाने में कामयाबी हासिल की और पीआईजे ने 1.2 लाख डॉलर क्रिप्टो में हिजबुल्ला को दिए। घटनाएं बढ़ीं, तो पैसों का यह आवंटन भी बढ़ा।

माना जाता है कि शीत युद्ध की समाप्ति से शांति की स्थापना हुई। लेकिन पिछले तीन दशकों में सैन्य खर्च काफी बढ़ा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक, विश्व सैन्य खर्च 1992 के करीब 1.2 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 2022 में 2.24 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। जब राष्ट्रों को जीडीपी के क्रम में रखा जाता है, तो युद्ध अर्थव्यवस्था दो लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा के साथ दुनिया में आठवें स्थान पर फ्रांस के नीचे आती है। सैन्य खर्च करने वालों की सूची में 877 अरब डॉलर के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, उसके बाद 292 अरब डॉलर के साथ चीन और 86 अरब डॉलर के साथ रूस आते हैं।

दुनिया भर में शांति को बढ़ावा और संघर्ष की वजहों को कम करने के लिए सैन्य खर्च बढ़ाया जाना वाकई दिलचस्प है। विश्व बैंक के एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया की 9.3 फीसदी आबादी यानी करीब 70 करोड़ लोग बेहद गरीबी में हैं, जो रोज 2.15 डॉलर से भी कम कमा पाते हैं। मिसाल के लिए, गाजा में रहने वाले हर दस में सात लोग वैश्विक मदद पर निर्भर हैं। मध्य पूर्व का युद्ध कितना लंबा खिचेगा, यह तो नहीं कह सकते। पर यह जरूर है कि अफगानिस्तान और इराक के युद्धों में अमेरिका ने 80 खरब डॉलर खर्च किए हैं।

वाट्सन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स के अध्ययन के मुताबिक, अमेरिका में 9/11 हमले के बाद से लाखों सैनिकों और नागरिकों की मौतों और अरबों डॉलर खर्च करने के बावजूद वहां के लोगों में शायद ही शांति आई है। तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज है, सीरिया पूरी तरह से अस्थिर है और इराक में भी विद्रोही समूहों का उत्पात जारी है। गाजा के बाहर इस्राइली सैनिक जमीनी हमले के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। रॉकेट के हमलों से गाजा की धरती थर्राई हुई है। काहिरा में शांति शिखर सम्मेलन ध्वस्त हो चुका है।

संयुक्त राष्ट्र में रूस और ब्राजील द्वारा तैयार युद्ध विराम के आह्वान वाले दो प्रस्तावों को खारिज कर अमेरिका द्वारा तैयार प्रस्ताव पर विचार हो रहा है। संघर्ष की आग को और भड़कने से रोकने के लिए पिछले दरवाजे की कूटनीति जारी है। पश्चिमी देश एकजुटता दिखाने के लिए इस्राइल का दौरा कर रहे हैं। पर काफी कुछ इस पर निर्भर करेगा कि प्रतिरोध की धुरी और चीन की भूमिका कैसे विकसित होती है। युद्धों का विकास पर प्रभाव स्पष्ट है, जहां पूरी दुनिया उच्च ऋण, पूंजी की बढ़ती लागत और कम वृद्धि दर से जूझ रही है। कहते हैं कि अगर आपके पास ताकत है, तो उसका इस्तेमाल पूरी दुनिया के सामने मिसाल बनने के लिए किया जाना चाहिए। लेकिन फिलहाल पूरी दुनिया में जो हो रहा है, उसे कवि रॉबर्ट ब्लेयर के शब्दों में कहें तो, 'मानवता ने युद्ध और कब्रिस्तान का रास्ता चुना है।'

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

आरक्षण नहीं संरक्षण चाहिए।

जातिगत जनगणना की मांग से आरक्षण का ''जिन्न'' पुनः निकला।

15 अगस्त 1947 को हुआ स्वाधीन भारत 26 जनवरी 1950 को स्व निर्मित संविधान के लागू होने के कारण ''गणतांत्रिक भारत'' बना। भारतीय गणराज्य में संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली को श्रेष्ठ शासन प्रणाली के रूप में अपनाया है। यद्यपि संविधान में ''राजनीति'' नहीं ''नीति'' शब्द का प्रयोग अवश्य किया गया है। परंतु लोकतंत्र में अलिखित रूप से ''राजनीति'' शब्द का ही प्रयोग किया जाता रहा है। 'राजनीति'' के समान ''लोकतंत्र'' शब्द भी संविधान में परिभाषित नहीं है। ''नीति पर राज हावी''

राजीव खण्डेलवाल

किसी जमाने में राजनीति ''सेवा का मांध्यम'' ही नहीं मांनी जाती थी, बल्कि ''सेवा के लिए ही'' की जाती थी। परंतु आज राजनीति का ''अर्थ'' बदलकर इतना ''अनर्थ'' हो गया है कि वह एक ''गाली'' के रूप में परिवर्तित हो गई है, जब यह कहा जाता है की ''भाई बस, यहां तो ''राजनीति'' मत करो''। अब ''राजनीति'' सिर्फ राज के लिए ''नीति'' बनाने तक सीमित हो गई है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष के कारण राजनीति से नीति हटकर वह ''नीति भी अनीति'' में परिवर्तित हो गई हैं, जिस कारण से राज ''सुराज'' की जगह ''अराजक राज'' में परिवर्तित होते जा रहा है। वास्तव में ''राज पर नीति'' हावी होनी चाहिए न की ''नीति पर राज। जबकि वर्तमान में ''नीति राज'' न होकर ''नीति पर राज'' हावी होकर राजनीति हो रही है। शायद इसीलिए ''यथा राजा तथा प्रजा'' मुहावरा का अर्थ खोकर ''यथा प्रजा तथा राजा'' हो गया है।

''आरक्षण'' अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में असफल।

उक्त महत्वपूर्ण भूमिका के पश्चात अब विषय पर बिंदुवार आगे बढ़ते हैं। संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद चुने गए थे, परंतु डॉ आंबेडकर संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। बावजूद इसके संविधान के जनक कहे जाने वाले डॉ बाबा साहेब भीमराव राम जी आंबेडकर के नाम से जाने वाला हमारे संविधान में डॉ. आंबेडकर द्वारा अनुच्छेद 341 एवं 342 में परिभाषित ''अनुसूचित जाति'' एवं ''अनुसूचित जनजाति'' के लिए जातिगत आरक्षण विधायिका के लिए प्रारंभिक रूप से 10 वर्ष के लिए अस्थाई व्यवस्था की गई थी। साथ ही इसकी समीक्षा हर 10 वर्ष बाद तब तक के लिए की जाएगी, जब तक की आरक्षित वर्ग का लक्षित उत्थान नहीं हो जाता है। जबकि शिक्षा और सरकारी क्षेत्र में नौकरी के आरक्षण की जो व्यवस्था संविधान में की गई है, वह अस्थायी न होकर अनुच्छेद 21 ए (संविधान संशोधन अधिनियम 2002) एवं अनुच्छेद 41 के अंतर्गत संवैधानिक मूल अधिकार का दर्जा दिया जाने के कारण स्थायी है। आरक्षण की व्यवस्था देश में पहली बार डॉक्टर अंबेडकर ने लागू नहीं की थी। बल्कि वर्ष 1882 में ''हंटर आयोग'' की स्थापना के बाद आरक्षण की बात प्रारंभ हुई थी। ब्रिटिश शासन ने भी भारत सरकार अधिनियम 1909 में आरक्षण का प्रावधान लाया था।

इस प्रकार लगभग 75 साल होने जा रहे के बावजूद यह अस्थाई व्यवस्था न हटाये जाने के कारण यह व्यवस्था एक ''स्थायी'' रूप लेते जा रही है। मतलब साफ है! जिन उद्देश्यों को लेकर आरक्षण व्यवस्था लागू की गई थी, वह व्यवस्था उक्त वर्गों को उनके उद्देश्यों की पूर्ति की प्राप्ति तक नहीं पहुंचा पा रही है। इसलिए क्या अब यह आवश्यक नहीं हो जाता है की इन वर्गों के उत्थान के लिए एक व्यवस्था के 74 साल लगातार चलते रहने के बावजूद उद्देश्यों की पूर्ति न हो पाने के कारण असफल हो जाने पर अन्य कोई व्यवस्था पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जाए? उच्चतम न्यायालय ने ''सवर्ण'' (सामान्य) वर्ग के आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण को संवैधानिक बताते हुए जस्टिस बेला बेन त्रिवेदी ने कहा ''आरक्षण की समय सीमा खींचने की आवश्यकता है'', क्योंकि यह अनंत काल तक नहीं रहेगा। अगर ऐसा है तो यह निहित स्वार्थ है।

अंत्योदयः! आखरी छोर पर खड़ा व्यक्ति! पं.दीनदयाल उपाध्याय! सही विकल्प!

प्रश्न यह है कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने जिन उद्देश्यों को लेकर और कारण से संविधान में 10 साल के लिए अस्थाई रूप से आरक्षण की व्यवस्था की थी और उक्त समयावधि में उद्देश्य की पूर्ति न होने पर उसके बढ़ाने की अस्थाई व्यवस्था की थी, क्या उसकी पूर्ति/प्राप्ति अभी तक नहीं हो पाई है? 75 साल में आरक्षण अपने देश में उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल नहीं हो पाया है, तब फिर क्या वह साधन ''आरक्षण'' उक्त ''साध्य'' ''कुचले कमजोर वर्ग'' के उत्थान पर समग्र रूप से पुनर्विचार कर अंबेडकर के पुराने ''साध्य'' के लिए नए ''साधन'' को देखने की आवश्यकता उत्पन्न नहीं हो गई है? वह इसलिए भी की क्या आरक्षण वोट पाने का प्रतीक तो नहीं बन गया है? क्योंकि ''रियासत बगैर सियासत'' नहीं होती है। क्या यह उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए वोट बैंक के खातिर जातिगत जनगणना के माध्यम से स्थायी हिस्सेदारी की खतरनाक धारणा को लाने का प्रयास होता हुआ तो दिख नही रहा है? इसीलिए मेरा यह मत है कि जातिगत गंदी राजनीति को छोड़कर कुचले, पिछड़े, कमजोर वर्ग समाज तथा पडित दीनदयाल उपाध्याय की अवधारणा एकात्म मानववाद अनुसार सबसे निचले/आखरी छोर पर खडे व्यक्ति के उत्थान के लिए उन्हें आर्थिक आधार पर आरक्षण नहीं संरक्षण देने की महती आवश्यकता देशहित में है।

''आरक्षण और संरक्षण के अंतर को समझइऐ''।

कोई वर्ग या समाज की एक इकाई ''एक व्यक्ति'' ही होता है। अतः यदि प्रत्येक व्यक्ति अपना विकास, उन्नति कर ले तो अंततः पूरा समाज उन्नत हो जाएगा। व्यक्ति के विकास की मूल अवधारणा उसका ''प्रतियोगी'' होना व उसके लिये जरूरी परिस्थितियों का होना आवश्यक है। जब तक व्यक्ति प्रतिभाशाली प्रतियोगी नहीं होगा, तब तक उसका विकास नहीं हो पाएगा। यहीं पर ''आरक्षण नहीं संरक्षण'' की आवश्यकता उत्पन्न होती है। ''आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति'' बिना संसाधन के अन्य आर्थिक रूप से मजबूत व्यक्ति की तुलना में कैसे सफल प्रतियोगी हो सकता है? इसलिए ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आर्थिक संरक्षण देने के ''तंत्र'' की व्यवस्था किये जाने की आवश्यकता है। ताकि ऐसा व्यक्ति सिर्फ कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते प्रतियोगी बनने के लिए आवश्यक तंत्र, सुविधा का उपयोग न कर पाने के कारण वह दूसरे सक्षम प्रतियोगी के सामने एक प्रतियोगी के रूप में खड़ा न हो पाने की अपनी ''अपंगता'', ''अक्षमता'' को दूर कर सके। तभी प्रतिभाओं को प्रति-स्पर्धाओं में मुकाबले में खड़ा होने और सफलता प्राप्त करने का बराबर का अवसर प्राप्त होगा। तब दूसरी अन्य प्रतिभाएं को कुंठित सामान्य वर्ग की स्थिति से गुजरना नहीं होना पड़ेगा। देश का सर्वांगीण विकास तभी हो पाएगा, जब प्रत्येक नागरिकों को अपने जीवन के उत्थान विकास और उन्नत बनाने के बराबरी के अवसर मिले और यह दायित्व किसी भी जनोमुखी चुनी हुई सरकार का है। ''राज सफल तब जानिये, प्रजा सुखी तब होय''।

आर्थिक आधार पर ''संरक्षण की सहमति'' का विस्तार किया जाना चाहिए।

एक बड़ा सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी उत्पन्न होता है कि जब गरीबी रेखा के नीचे बीपीएल कार्ड होल्डर तथा निर्धन वर्ग को शासकीय उचित मूल्य की दुकान से सस्ते मूल्य पर अनाज एवं ''प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना'' के अंतर्गत लगभग 80 करोड़ से ज्यादा निर्धन व्यक्तियों को बिना किसी जाति भेदभाव के अनाज मुफ्त में दिया जा रहा है। इस प्रकार उनके खाने की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति केन्द्र व राज्य सरकारें कर रही हैं, जिस पर आरक्षण मांगने वाले समस्त वर्गों अर्थात 85 प्रतिशत लोगों को इस पर कोई एतराज नहीं है। तब ''सहमति'' की इस स्थिति को जीवन की अन्य सुविधाओं के क्षेत्रों में क्यों नहीं विस्तार देते हैं? यह बात समझ से परे है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

डोर टू डोर मतदाताओं को मतदान के लिए किया प्रेरित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार जिले में मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। गुरुवार को मतदान केन्द्र क्रमांक 211 एवं 212 देशबन्धुपुरा इटारसी में वार्ड में जिला शिक्षा अधिकारी शत्रुन्जय प्रताप सिंह बिसेन के निर्देशानुसार फेण्डस स्कूल इटारसी के समस्त स्टाफ द्वारा रैली निकाली गई। 150 बच्चे, स्कूल स्टाफ, बीएलओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा स्लोगन लिखी तख्ती लिए रैली निकाली गई तथा फ्रेंड्स स्कूल परिसर में शपथ भी ली गई। छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो करे मतदान, वोट करें वफादारी से चयन करे समझदारी से,वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है, वोट डालने चलो रे साथी लोकतंत्र के बनो बराती, जाए वोट डालने जाए अपना वोट काम में लाए इत्यादि नारों से लिखी तख्तियां लेकर रैली निकाली गई एवं नारे लगाए जाए। बूथ लेवल आफिसर, सुपरवाइजर तथा स्कूल के स्टाफ ने घर घर जाकर तथा जो मतदाता बाहर है उनसे मोबाइल पर चर्चा कर संबंधितों को वोट डालने के प्रेरित किया गया। सभी ने वोट डालने का आश्वासन भी दिया। मतदान केन्द्र क्रमांक 214,216 युगान्तर हरिजन शिक्षण संस्थान तथा 217 प्राथमिक शाला नाला मोहल्ला में भी स्टाफ के साथ भ्रमण किया टाटा 17 परिवारों के संकल्प पत्र भरवाये गये। शास. उमावि कन्या इटारसी के समस्त स्टाफ एवं बच्चियों द्वारा रैली निकाली गई।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र में रैली के दौरान मतदाताओं को दिलाई शपथ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले के विकासखंड केसला के स्वास्थ्य केंद्र मोरपानी के ग्राम मर्यारपुर में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र के दौरान ग्राम की महिलाओं एवं पुरुषों के द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु रैली निकाली गई, जिसमें मतदाताओं को उनके मताधिकार के प्रयोग करने के संबंध में जागरूक किया तथा उन्हें यह संदेश भी दिया कि वे मतदान दिवस के दिन सबसे पहले अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इसी दौरान उपस्थित सभी महिलाओं एवं पुरुषों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांगाखेड़ा कला की छात्राओं के द्वारा मतदाता जागरूकता के तहत रंगोली और ड्राइंग बनाए गए।

नर्मदापुरम के चुनावी संघर्ष में शर्मा बंधु आमने-सामने...

सीताशरण भाजपा, गिरजा शंकर ने कांग्रेस से जमा किया नामांकन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन के लिए गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम से 5 तथा सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र से 4 तथा सिवनीमालवा विधानसभा से 1 नाम निर्देशन पत्र जमा किये गये। रिटर्निंग अधिकारी नर्मदापुरम से आशीष पांडे ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम के लिये डॉ सीतासरन शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी से अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया। उन्होंने 2 निर्देशन पत्र के सेट जमा किए। इंडियन नेशनल कांग्रेस से प्रत्याशी गिरिजाशंकर शर्मा ने भी आज अपने नाम निर्देशन पत्र का दूसरा सेट जमा किया। बहुजन समाज पार्टी से नर्मदापुरम के प्रत्याशी प्रदीप मांझी और राष्ट्रीय नवजागरण पार्टी से गुलाबदास बड़ोदिया ने अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया है.

रिटर्निंग अधिकारी सोहागपुर बृजेन्द्र रावत ने बताया कि सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र से गुरूवार को 4 अभ्यर्थियों ने अपना नाम निर्देशन पत्र जमा कराया। उन्होने बताया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस से पुष्पराज सिंह ने नाम निर्देश पत्र जमा किया। विजयपाल सिंह ने भारतीय जनता पार्टी से अपने नाम निर्देशन पत्र का दूसरा सेट जमा किया। इसी प्रकार बहुजन समाज पार्टी से हेमराज एवं आम आदमी पार्टी से उमेश कुमार द्वारा अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया। सिवनीमालवा विधानसभा में राष्ट्रवादी भारत पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र रघुवंशी द्वारा नाम निर्देशन पत्र रजिस्ट्रेशन अधिकारी सिवनीमालवा प्रमोद गुर्जर के पास जमा किया। पिपरिया विधानसभा से कोई भी नाम निर्देशन पत्र प्राप्त नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्र 30 अक्टूबर तक जमा होंगे, 31 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र वापस लेने व चुनाव चिन्ह आवंटन की कार्यवाही 2 नवम्बर को सम्पन्न होगी।

बीएसपी से मांझी ने दाखिल किया नामांकन..

नर्मदापुरम. बहुजन समाज पार्टी से प्रदीप मांझी ने अपना नामांकन जमा करने कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे।

सिवनी मालवा में निर्वाचन के लिए एक नाम निर्देशन प्राप्त

सिवनी मालवा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 136 सिवनी मालवा के लिए 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक नाम निर्देशन पत्र कार्यालय रिटर्निंग अधिकारी 136 सिवनी मालवा में प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक लिए जा रहे हैं राष्ट्रवादी भारत पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र रघुवंशी पिता सुरेश रघुवंशी निवासी इंदिरा कॉलोनी बानापुरा का नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुआ। अभ्यर्थी की ओर से विधिवत फॉर्म भरकर प्रमोद सिंह गुर्जर रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। नाम निर्देशन फॉर्म प्रस्तुत करने के लिए अब केवल दो दिन का समय ही बचा है दिनांक 28अक्टूबर को चौथा शनिवार है तथा 29 अक्टूबर को रविवार है। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि नाम निर्देशन प्रस्तुत करते समय अभ्यर्थी के साथ चार व्यक्ति ही कार्यालय में प्रवेश करें कार्यालय में मोबाइल फोन को प्रतिबंधित किया गया है।

आंवली घाट पर 77 हजार रुपए की राशि जप्त

गंजाल नाका पर एसएसटी दल ने जप्त किए 15 लाख

सिवनी मालवा/नर्मदापुरम. जिले में आदर्श आचरण संहिता का प्रभावी ढंग से क्रियान्वन किया जा रहा है। निर्वाचन को प्रभावित करने वाली सामग्रियों की जांच के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह द्वारा जिले में 13 स्थैतिक निगरानी दल बनाए गए हैं जो 24 घंटे वाहनों की सघन जांच कर रहें है। इसी क्रम में बुधवार को सिवनीमालवा में गंजाल नाका पर एसएसएटी दल द्वारा 15 लाख 98 हजार 631 रुपए की राशि वाहन चेकिंग के दौरान जप्त की गई है।

जप्त की गई राशि हरदा निवासी अब्दुल हमीद पिता अब्दुल लतीफ तथा अनस खान पिता सलीम खान से राशि जप्त की गई है। एस एस टी दल द्वारा स्थल पंचनामा बनाया गया है तथा जप्त राशि जिला कोषालय नर्मदापुरम में जमा कराई गई। जिले में सघन रूप से वाहन चेकिंग की जा रही है। उक्त कार्यवाही में एफएसटी प्रभारी अभिषेक गौरव,एस एस.टी प्रभारी अमन चौहान, पटवारी पुष्पराज सिंह, सहायक उप निरीक्षक गिरीश तिवारी तथा आरक्षक शैलेंद्र मानकर ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं गुरुवार को आंवली घाट पर एसएसटी दल द्वारा 77 हजार रुपए की राशि वाहन चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक MP04ZL3382 से जप्त की गई है। निवासी ग्राम खोकसर राहुल राज पिता रामविलास से राशि जप्त की गई है। सहायक रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा 136 सिवनी मालवा राकेश खजूरिया द्वारा बताया गया कि एसएसटी दल द्वारा स्थल पंचनामा बनाया गया है। जप्त राशि जिला कोषालय नर्मदा पुरम में जमा की गई। सेक्टर मजिस्ट्रेट श्याम सिंह तारे, एस एस.टी प्रभारी रामेश्वर इवने, हेड कांस्टेबल संदीप शर्मा, आरक्षक माखन राजपूत, पटवारी श्रीकांत दीवान, कोटवार हेमराज तथा राजेंद्र ने उक्त कार्वाई में सक्रिय भूमिका निभाई।

मेट्रो एंकर | मतदान दलों को घर पहुंच मतदान के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश-पूरी गंभीरता -सजगता से मतदान संपन्न कराएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मतदान दलों को 80 से अधिक आयु वर्ग के वृद्ध व दिव्यांग मतदाताओं को दिए जाने वाले पोस्टल बैलेट का गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा इस वर्ष 80 से अधिक आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं को घर पहुंच मतदान की सुविधा दी जा रही हैं। घर जाकर वोटिंग के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों को अच्छे से समझे। इस प्रक्रिया में आवश्यक सावधानियां बरती जानी हैं, जिसका आपको विशेष ध्यान रखना होगा पोस्टल बैलट से संबंधित प्रक्रिया में शंका होने पर प्रशिक्षण में पूछकर तत्काल उसका समाधान कर लें। कलेक्टर श्री सिंह ने मतदान दल के अधिकारियों से पोस्टल बैलेट प्रक्रिया से संबंधित प्रश्न पूछते हुए उनका भी समाधान भी किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि घर पहुंच मतदान दल में पीठासीन स्तर के एक अधिकारी एवं एक अन्य मतदान अधिकारी, माइक्रो ऑब्जर्वर, वीडियोग्राफर, सुरक्षा कर्मी मौजूद होंगे। इसके साथ ही बीएलओ इस प्रक्रिया में आपका सहयोग करेंगे। जिसके अनुसार आपको कार्य करना होगा। उन्होंने मतदाता के घर में होने वाले मतदान की गोपनीयता के संबंध में बारीकी से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में कोई भी प्रचार प्रसार नहीं होगा। अभ्यर्थी के प्रतिनिधि बूथ लेवल एजेंट की तरह कार्य करेंगे। जिनका काम केवल और केवल मतदाताओं का सत्यापन होगा। मतदान दल केवल निर्धारित पते पर ही मतदान की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित कराएं। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मतदान केंद्र पर कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे। वोटिंग कंपार्टमेंट के अलावा समस्त मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी किया जाना सुनिश्चित कराएं। नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे द्वारा घर पहुंच मतदान के संबंध में मतदान दलों को विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट संपदा सराफ सहित सभी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा मतदान दलों के सदस्य उपस्थित रहे।

अंतिम दिन जनता का आशीर्वाद लेकर सामूहिक रूप से जमा करेंगे बी फार्म

पाँच कार्यकर्ताओं के साथ सादगीपूर्ण रूप से भाजपा प्रत्याशी उमाकांत ने मुहूर्त में जमा किया नामांकन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो
सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी उमाकान्त शर्मा ने गुरुवार को महूर्त में अपना नामांकन जमा किया। वे दोपहर करीब दो बजे पार्टी के प्रमुख पदाधिकरियों के साथ तहसील परिसर पहुँचे। चुनाव निर्वाचन अधिकारी के कक्ष में पहुँचकर उन्होंने पीठासीन अधिकारी को अपना नामांकन जमा किया। आगामी 30 अक्तूबर को वह सिरोंज लटेरी विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रूप से पार्टी के बी फार्म के साथ एक बार फिर अपना नामांकन जमा करेंगे। नामांकन जमा करने के पहले वह देवपुर स्थित बाबा विश्वनाथ की पूजन दर्शन करने भी पहुँचे।

भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा के नामाँकन की खबर लगते ही बाहर भाजपा कार्यकर्ता एवं आम नागरिक काफी सँख्या में एकत्रित हो गए। रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय से फार्म जमा करने के बाद बाहर निकलते ही विधायक शर्मा का उपस्थित जनसमुदाय ने पुष्पमाला पहनाकर शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी उमाकान्त शर्मा ने कहा कि मैंने सदैव सच्चे मन से क्षेत्र के हमारे प्रत्येक परिवार की सेवा करने का प्रयास किया है। ओर वचन देते है कि हमेशा करते रहेंगे। आज हमनें नियमों का पालन करते हुए सादगीपूर्ण ढंग से अपना शुभ मूहर्त में फार्म जमा किया है। पहले हम जिले में कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन जमा करने जाते रहें है लेकिन इस बार स्थानीय स्तर पर फार्म जमा करने का सौभाग्य मिला है। हमारी पार्टी संगठन के नेताओं ने निर्णय किया है की हम सब कार्यकर्ताओ ओर नागरिकों के साथ 30 अक्टूबर सोमवार को सुबह 11 बजे एक रैली के रूप में एक बार फिर जनता जानार्दन का आशीर्वाद लेकर अपना नामांकन जमा करेंगे। इस अवसर पर विधानसभा संयोजक कैलाश शर्मा, विधानसभा चुनाव संचालक रमेश यादव, संतोष चौरे प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दो में से एक का राजनीतिक कॅरियर चुनाव में परास्त होने पर, होगा खतरे में

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

गंजबासौदा विधानसभा में राजनैतिक वातावरण काफी गरम है, एक चरफजहां भाजपा से घोषित प्रत्याशी हरिसिंह रघुबंशी वडडा के घर

आंगन में भीड़ भाड़ का माहैल है, वहीं कांग्रेस से घोषित प्रत्याशी निशंक जैन के पुराने मेला ग्राउंड स्थित कार्यालय में काफी भीड़-भाड़ देखने में आ रहीं है। इधर नेहरू चौक पर भाजपा प्रत्याशी हरिसिंह रघुबंशी का और निशंक जैन के चुनाव कार्यालय का भी उदघाटन हो चुका है। वरिष्ठ पत्रकार कमलसिंह रघुबंशी का कहना है कि गंजबासौदा विधानसभा का चुनाव इस बार बासौदा विधानसभा क्षैत की इवारत लिखेगा । सबसे मजेदार बात यह है कि हरिसिंह रघुबंशी एक दशक विधायक रहे और तीसरी बार टिकिट मिलने पर वह चुनाव हार गए थे ,ऐसा ही कुछ हाल निशंक जैन का है यह भी एक बार विधायक रहें और दूसरी बार टिकिट मिलने के बाद चुनाव हार गए। अब सबसे रोचक बात यह है कि पूर्व में भी यह दोनों प्रत्याशी आमने सामने चुनाव मैदान में उतर चुके है और अब पुनरू अपनी अपनी पार्टी ने इन पर भरोशा जताते हुए चुनाव मैदान में उतारा है। दोनों प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिए है।

क्षेत्र के मतदाताओं द्वारा अपने अपने प्रत्याशियों की प्रशंसा का दौर चौक चौराहों पर जारी है। जीत हार पर शर्तें भी अभी ये लगना शुरू हो गई है। वहीं बासौदा, ग्यारसपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता दोनों प्रत्याशियों की कथनी और करनी से पूरी तरह से वाकिफहै। कौन उनकी आशाओं व विश्बास पर खरा उतरेगा । वह भलिभांति जानते है। चुनाव कौन जीतेंगा, कौन हारेगा, यह तो 3 दिसम्बर को ही पता चलेगा। पर इस बार के चुनाव में दोनों प्रत्याशी पूरी ताकत दमखम के साथ चुनाव लड़ेगे, इसलिए घमासान तो होगा ही और दूसरी बात यह भी है कि जो चुनाव हारेगा उसका राजनैतिक जीवन संकट में पड़ जाएगा। उसका राजनैतिक कैरियर खतरे में पड़ जाएगा।

अब देखना यह है कि कौन किस पर भारी पड़ता है, मतदाताओं का रूख किस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करेंगा। यह मतदाताओं पर निर्भर करता है,वह किस को विजय श्री का साफा बांधेंगे और किसको परास्त कर राजनैतिक संकट में डालेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी ने किया ग्रामीण क्षेत्र में जनसंपर्क

सिरोंज । सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी गंगेंद्र रघुवंशी द्वारा ग्राम रूसिया मसूडी बलरामपुर चंपतपुर खलीलपुर में मैं पहुंच कर जनसंपर्क किया और जनता से आशीर्वाद लिया और कांग्रेस को वोट देने की अपील की । इस दौरान अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उनके साथ जनसंपर्क में शामिल हुए।

आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार क्षेत्र में ना दिखाई देना बना चर्चा का विषय

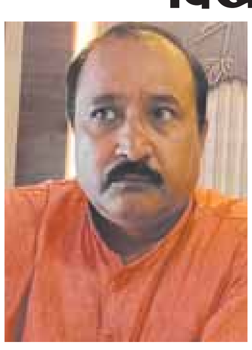

सिरोंज । सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है सभी पार्टी की उम्मीदवारों ने नामांकन फॉर्म ले लिए हैं और कुछ उम्मीदवारों ने भी नामांकन पत्र दाखिल भी कर दिए हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी से घोषित हुए उम्मीदवार आई एस मौर्य विधानसभा में ना दिखाई देने पर चर्चा का विषय बना हुआ है। गौर तलब हो की आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार आई एस मौर्य ने अभी तक चुनावी मैदान में नजर नहीं आए हैं। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं लेकिन चुनाव में अभी आम आदमी पार्टी कहीं नजर नहीं आ रही है जिससे नगर में कई चर्चाओं का विषय बना हुआ है । देखा जाए की गत वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में आई एस मौर्य बहुजन समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़े थे इस बार वह आम आदमी पार्टी से उम्मीदवार घोषित हुए हैं।

आचार संहिता का उल्लंघन करने पर बाजार से बैनर, पोस्टर, झंडे नगर पालिका ने किए जप्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार शासकीय संपत्ति पर भी किसी भी राजनीतिक पार्टी के द्वारा बैनर पोस्टर झंडे आदि नहीं लगा सकते हैं । इसके बाद भी मुख्य बाजार आदि क्षेत्र में राजनीतिक दलों के झंडे लगे हुए थे। रिटर्न ऑफिसर के निर्देश पर इनके खिलाफ संपत्ति विरूपण के तहत कार्रवाई करते हुए उनको जप्त करवाया। जानकारी मिलने पर निर्वाचन अधिकारी हर्षल चौधरी ने मुख्य बाजार छतरी चौराहा आदि में राजनीतिक पार्टियों के लगे झंडों को हटवाने का काम किया है।

अधिकांश दुकानदारों के टीन सेटों में झंडे लगे हुए थे। इसके बाद भी प्रशासन ने इनको जप्त करवाया। इसके पीछे प्रशासन का कहना है कि राजनीतिक दालों के झंडे लगे हुए थे वहां जगह शासकीय है अतिक्रमण करके अधिकांश दुकानदारों ने टीन सेट कर रखे हैं। उन्हीं में झंडे लगे होने पर इनको जप्त तक किया गया है। निर्वाचन विभाग की कार्रवाई की भनक लगते ही राजनीति दलों को भी समझ में आया कि इन झंडों को यहां से क्यों हटाया जा रहा फिर जहां पर झंडा लगे थे । पहले जिन दुकानों घरों आगे झुके हुए झंडे लगे थे उनको सहमति लेकर ऊपर लगवाने का काम किया गया इससे की दोबारा इनको कोई निकल ना पाए इस तरह का काम पहले से किया होता तो इस तरह की कार्रवाई भी नहीं होती जो हुई है। सभी दलों के कार्यकर्ताओं को जानकारी होती है कि शासकीय जगह पर हम ऐसा काम करेंगे तो उनको जप्त भी किया जाएगा फिर भी किया गया।

आचार संहिता की गाइडलाइन का पालन करते हुए ऐसी जगह पर झंडा बैनर, पोस्टर ,दीवार लेखन आदि करवाना चाहिए जहां पर किसी को आपत्ति ना हो आपत्ति होने पर भी झंडा बैनर पोस्टर दीवार लेखन कोई भी राजनीतिक दल नहीं कर सकता है । यदि संबंधित व्यक्ति के द्वारा शिकायत की जाती है तो सीधी कार्रवाई करने का प्रावधान भी निर्वाचन आयोग के द्वारा किया गया है। राजनीति दलों को दुकानदारों की सहमति लेकर उनके घरों के ऊपर झंडा लगवाने का काम प्रारंभ किया गया है । आचार संहिता लागू होते ही प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है किसी भी तरह से आचार संहिता का उल्लंघन नहीं होने दिया जा रहा कहीं से भी ऐसी जानकारी आती है कि शासकीय संपत्ति में बैनर पोस्टर झंडे आदि लगाने का काम हो रहा है। तो उनको तत्काल जप्त करवाया जाता है। इसी तरह ग्रामीण अंचलों में भी लगातार टीम में इस बात का ध्यान रख रही है पर शहरी क्षेत्र में इस तरह की लापरवाही देखने को मिली काफी देर के बाद इनको हटवाने की कार्रवाई प्रारंभ हो पाई।

इनका कहना है

बाजार में शासकीय जमीन में अतिक्रमण करके जिन लोगों ने टीन सेट आदि कर रखे हैं वहां पर राजनीतिक दलों के झंडे बैनर लगे हुए थे। उनको वहां से हटाने का काम किया है। किसी भी राजनीतिक पार्टी दल को शासकीय संपत्ति में बैनर पोस्टर झंडे आदि लगाने की अनुमति नहीं है। आचार संहिता का पालन हम कड़ाई से करवा रहे हैं।

–हर्षल चौधरी निर्वाचन अधिकारी सिरोंज

मेट्रो एंकर भारी वाहनों के प्रवेश पर लगाई रोक

जाम से ज्यादा हालत खराब होने पर, ट्रैफिक पुलिस ने निर्माण वाले मार्ग पर बैरियर लगाए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जिस उदेश को लेकर ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था नगर में हुई है उसका फायदा नगर वासियों को नहीं मिल रहा है, इनकी लापरवाही कारण व्यवस्था सुधारने की जगह पर बिगड़ती ही जा रही है। शिकायतों के बाद भी एसडीएम एसडीपी के द्वारा कई ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए ट्रैफिक सूबेदार को निर्देश दे चुके हैं। इनके द्वारा अपने काम को गंभीरता से नहीं किया जार है।

गुरुवार को मंडी खुलने से जाम की समस्या ज्यादा खराब होने पर यातायात पुलिस को भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की याद आई। ट्रैफिक पुलिस के द्वारा भी इस समस्या के समाधान के लिए धरातल पर काम नहीं की जा रहा इसकी वजह से समस्या कम होने की जगह दिन ब बढ़ती ही जा रही है। अवकाश के बाद कृषि उपज मंडी में आवक होते ही मंडी रोड से लेकर मंडी के अंदर और कायाकल्प योजना के तहत लिंक रोड सड़क का निर्माण हो रहा है उसे मार्ग पर तो जाम के कारण वाहनों को दोपहर के बाद निकलना मुश्किल हो गया कई वाहन चालक तो दूसरे रास्तों से अपने दो पहिया वाहनों को निकलते हुए नजर आए । क्योंकि उनके वाहन भी जाम के कारण निकल नहीं पा रहे थे। इसके बाद कुंभकरण की नींद में सो रही ट्रैफिक पुलिस को इस समस्या के हल करने की याद आई तो छतरी चौराहे और बासौदा नाके पर बैरियर लगाकर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने का काम किया और दूर खड़े होकर एक यातायात पुलिस कर्मी इस व्यवस्था को देखते हुए नजर आए । ज्यादा समस्या उत्पन्न होने पर यातायात पुलिस को याद आई लिंक रोड पर दोनों तरफखुदाई होने निर्माण के चलते इस मार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या दूर होने का नाम नहीं ले रही है। इसके बाद भी पूरे समय भारी बड़ वाहनों का प्रवेश जारी रहने के कारणइस मार्ग से निकलना सबसे कठिन काम है । सड़क ठेकेदार की लापरवाही से दुकानदारों से लेकर आम जन और बाहर आने जाने वाले वाहन चालकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदारों के द्वारा ठोस प्रयास नहीं की जा रहे हैं विगत 15 दिनों से ठेकेदार ने काम बंद करके और भी मुश्किल है बढ़ा दी है। नगर पालिका सीएमओ कुर्सी नहीं छोड़ पा रहे हैं उनकी ठेकेदार सुन ही नहीं रहना ही आगे कोई कार्रवाई भी नहीं कर पा रहे हैं । अधूरी सड़क पड़ी हुई है दोनों तरफ साइड खुदी ही होने के कारण और भी ज्यादा परेशानी हो रही है क्योंकि कृषि कार्य से संबंधित दुकान भी यहीं पर संचारित हो रही है । इसकी वजह से ट्रैक्टर चालक सड़क पर ही अपने वाहन खड़े कर देते हैं तो सड़क और सकरी हो जाती है। इस कारण जाम के हालात यहां पर बने रहते हैं । टॉपिक पुलिस ने बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने का काम किया है वहां कितने दिनों तक रहेगा ।

धर्मशाला में तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है पिच

धर्मशाला, एजेंसी

वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया को प्रबल दावेदारों में से एक माना गया था। न्यूजीलैंड ने वैसी ही शुरुआत की लेकिन ऑस्ट्रेलिया का निराशाजनक प्रदर्शन रहा। न्यूजीलैंड ने जहां पांच में से चार मैच लगातार जीते। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती दो मैच में मिली हार के बाद वापसी की है। तीन मैच लगातार जीत के साथ कंगारू टीम लय में लौट आई है। वहीं, न्यूजीलैंड को अपने पिछले मैच में भारत के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। वर्ल्ड कप का 27वां मैच 28 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाए। धर्मशाला में खेले जाने वाले यह मुकाबाला भारतीय समयानुसार साढ़े दस बजे से शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। दोनों ही टीमें सेमीफाइनल में अपनी-अपनी दावेदारी पेश करने के लिए जंग लड़ेंगी। न्यूजीलैंड को धर्मशाला की पिच से लाभ मिल सकता है।

न्यूजीलैंड को धर्मशाला की परिस्थितियों का मिलेगा लाभ

न्यूजीलैंड धर्मशाला की परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। क्योंकि, भारत के खिलाफ टीम इस पिच पर मुकाबला खेल चुकी है। न्यूजीलैंड को यहां कि पिच और परिस्थितियों का लाभ मिल सकता है। भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड ने दमदार प्रदर्शन किया था। भारत के खिलाफ की गई गलती वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं दोहराना चाहेंगे। छोटी बाउंड्री होने के चलते यहां बड़े-बड़े शॉर्ट देखने को मिल सकते हैं। वहीं खेल जैसे-जैसे आगे बढ़ता है तो स्पिनर्स भी प्रभावी दिखते हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए मुकाबले में मोहम्मद शमी ने कहर बरपाया था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि तेज गेंदबाजों को भी मदद मिल सकते है।

टॉस निभाएगा अहम रोल

धर्मशाला के मैदान पर पहली पारी का औसत 237 का रहा है। पिछले कुछ मुकाबलों में देखा गया है कि यहां बाद में बैटिंग करने वाली टीमों को जीत ज्यादा मिलती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करने का फैसला ले सकती हैं। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच यह मुकाबला धर्मशाला के खूबसूरत स्टेडियम में खेला जाएगा। यहां की पिच को लेकर बात की जाए तो वह तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है। पिच पर बैटिंग करते हुए बल्लेबाज अगर कुछ समय तक क्रीज पर डटे रहे तो उसके लिए रन बनाना आसान हो जाता है।

हरभजन सिंह ने दिया इंग्लैंड के खिलाफ बदलाव का सुझाव

सिराज को मिले आराम, अश्विन को दें मौका...

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड कप के प्वाइंट्स टेबल में भारत टॉप पर है। उम्मीद की जा रही है कि भारत आसानी से सेमीफाइनल में जगह बना लेगा। क्योंकि भारत को अगले चार मैच में से केवल एक में से जीत दर्ज करनी है। ऐसे में रविवार 29 अक्टूबर को भारत का अगला मुकाबला गत चैंपियन इंग्लैंड से होना है। इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती देने की फिराक में होगा। लखनऊ में खेले जाने वाले इस मुकाबले से पहले भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने बदलाव का सुझाव दिया है। कप्तान रोहित शर्मा और टीम मैनेजमैंट को इस बड़े मुकाबले के लिए टीम जरूरी बदलाव करने की सलाह दी। हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ तीन स्पिनर्स से साथ उतरना चाहिए।

पिच के अनुसार मैनेजमेंट लेगा फैसला

वर्ल्ड कप 2023 में भारत ने अभी तक कोई भी मैच नहीं गंवाया है। अभी तक लगातार पांच मैच जीत चुकी है। भारत सेमीफाइनल में जगह बनाने से महज कुछ ही जीत दूर है। बीते 21 अक्टूबर को भारत ने न्यूजीलैंड को हराया। धर्मशाला में खेले गए मैच में विराट कोहली एक बार फिर हीरो बनकर उभरे। चोटिल हार्दिक पांड्या की जगह सूर्यकुमार को शामिल किया गया था। वहीं शार्दुल ठाकुर की जगह मोहम्मद शमी को टीम में जगह दी गई थी। वर्ल्ड कप के प्वाइंट्स टेबल में भारत टॉप पर है। उम्मीद की जा रही है कि भारत आसानी से सेमीफाइनल में जगह बना लेगा। क्योंकि भारत को अगले चार मैच में से केवल एक में से जीत दर्ज करनी है। ऐसे में रविवार, 29 अक्टूबर को भारत का अगला मुकाबला गत चैंपियन इंग्लैंड से होना है। इंग्लैंड, भारत को कड़ी चुनौती देने की फिराक में होगा।

तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है भारत

हरभजन सिंह ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि कुलदीप यादव गजब के फॉर्म में हैं, मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर अगले मैच में तीन स्पिनर (कुलदीप यादव, अश्विन, रवींद्र जडेजा) खेलें। क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाज वर्ल्ड कप में स्पिनर्स को ठीक से नहीं खेल पा रहे हैं और अगर यदि शुरुआत ही स्पिनर्स हो तो मुझे नहीं लगता की वो ज्यादा देर टीक सकेंगे। तीन स्पिनर्स के साथ उतरना मुझे नहीं लगता कि यह गलत फैसला होगा। वहीं, हरभजन सिंह ने कहा कि मोहम्मद सिराज पिछले पांच मैच से लगातार खेल रहे हैं। उन्हें आराम दिया जा सकता है। हरभजन ने कहा कि मोहम्मद शमी को मौका दिया गया और उन्होंने दोनों हाथों से इसका फायदा उठाया। इसके अलावा हरभजन सिंह ने कहा कि हालांकि यह सभी बदलाव पिच पर निर्भर करेगा।

ऑस्ट्रेलिया को वनडे वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत, अपना 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने रन के लिहाज से वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपना 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा या फिर यह कहें कि अपना ही रिकॉर्ड सुधारा। टीम ने 2015 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान को पर्थ के मैदान पर 275 रन के अंतर से हराया था। कंगारू टीम ने वनडे फॉर्मेट में अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की है। टीम ने 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, वनडे में ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड 275 रन का था, जो टीम ने पर्थ के मैदान पर बनाया था। तब ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को हराया था। नीदरलैंड के खिलाफ मिचेल स्टार्क को एक सफलता मिली। उन्होंने मैक्स ओ डाउड को बोल्ड मारा। इसी के साथ वे वर्ल्ड कप में बोल्ड के जरिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में वसीम अकरम के बराबरी पर आ गए। स्टार्क और अकरम वर्ल्ड कप में बोल्ड के जरिए 25-25 विकेट ले चुके हैं।

वर्ल्ड कप का 26वां मैच आज

पाकिस्तान को सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए सभी मैच जीतने ही होंगे

मुंबई, एजेंसी

साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच आज वनडे वर्ल्ड कप 2023 का 26वां मैच खेला जाएगा। मुकाबला चेन्नई के चेपॉक मैदान पर शुरू होगा। साउथ अफ्रीका 5 मैचों में 4 जीत के बाद पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं पाकिस्तान टीम लगातार 3 मैच हारने के बाद छठे नंबर पर है। पाकिस्तान को सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए अपने सभी मैच जीतने ही होंगे। वहीं साउथ अफ्रीका इस वक्त टूर्नामेंट की सबसे बड़ी दावेदारों में से एक नजर आ रही है।

टेम्बा बावुमा खेल सकते हैं : साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा बीमारी के कारण टीम के पिछले दोनों मैच नहीं खेल सके। उनके ठीक होने की खबरें आ रही हैं, ऐसे में आज के मुकाबले में वह रीजा हेंड्रिक्स की जगह ले सकते हैं। हेंड्रिक्स ने 2 मैच में एक फिफ्टी लगाई है। इस टूर्नामेंट में क्विंटन डी कॉक टीम के टॉप रन स्कोरर हैं, वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। वहीं कगिसो रबाडा ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 10 विकेट लिए हैं।

फखर जमान भी खेल सकते हैं: पाकिस्तान के लिए फखर जमान पिछले 4 मैच नहीं खेल सके, उनकी जगह प्लेइंग-11 में शामिल किए गए अब्दुल्लाह शफीक ने बेहतरीन परफॉर्म किया है। फखर बीच में बीमार भी हो गए थे, वह अब पूरी तरह फिट हैं, ऐसे में वह आज के मुकाबले में इमाम-उल-हक की जगह ले सकते हैं। दूसरी ओर हसन अली भी बीमार हैं, उनकी जगह टीम में मोहम्मद वसीम जूनियर को शामिल किया जा सकता है। मोहम्मद रिजवान इस टूर्नामेंट में टीम के टॉप रन स्कोरर हैं, उन्होंने 5 मुकाबलों में 302 रन बनाए हैं। वहीं शाहीन शाह अफरीदी ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 10 विकेट लिए हैं। चेपॉक की पिच हमेशा से स्पिनर्स को मदद करते आई है, रात के समय यहां ओस होने के कारण बैटिंग भी आसान हो जाती है। पिछले मुकाबले में अफगानिस्तान ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ 282 रन चेज किए थे।

20 साल पहले मिली थी साउथ अफ्रीका को पाक पर आखिरी जीत

वर्ल्ड कप में दोनों टीमों के बीच 5 मैच हुए, 3 में साउथ अफ्रीका और 2 में पाकिस्तान को जीत मिली। 1999 के बाद दोनों टीमों के बीच 2 ही मुकाबले हुए, दोनों में पाकिस्तान को जीत मिली। ये मुकाबले 2015 और 2019 में खेले गए। 2015 से पहले दोनों के बीच 3 मैच हुए, सभी साउथ अफ्रीका ने जीते। वनडे में दोनों टीमों के बीच 82 मैच हुए। 51 में साउथ अफ्रीका और 30 में पाकिस्तान को जीत मिल, जबकि एक मैच बेनतीजा भी रहा।

मेट्रो बाजार

एक्सिस का सालाना मुनाफा बढ़ा, नेट इंटरेस्ट इनकम 12,315 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी

प्राइवेट सेक्टर लेंडर एक्सिस बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जुलाई-सितंबर क्वार्टर में बैंक को सालाना आधार पर 10 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 5,864 करोड़ का नेट प्रॉफिट हुआ है। पिछले साल के दूसरे क्वार्टर में यह आंकड़ा 5,330 करोड़ था। कंपनी का 5,864 करोड़ का यह नेट प्रॉफिट मार्केट के 5,698 करोड़ के अनुमान से 166 करोड़ ज्यादा है।

नेट इंटरेस्ट इनकम 19 फीसदी बढ़ा सालाना आधार पर नेट इंटरेस्ट इनकम 19 फीसदी बढ़कर 12,315 करोड़ हो गया है। यह आंकड़ा बाजार के 11,908 करोड़ रुपए के अनुमान से 407 करोड़ रुपए ज्यादा है। वहीं 2023 के दूसरे क्वार्टर में नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.11 फीसदी हो गया है। सालाना आधार पर इसमें भी 15 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस दौरान कंपनी का ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट 1.73 प्रतिशत हो गया है।

कोटक बैंक ने एफडी पर इंटरेस्ट रेट बढ़ाए

कोटक महिंद्रा बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट्स बड़ा दिए हैं। अब इस बैंक के ग्राहकों को स्रष्ठ पर ज्यादा ब्याज मिलेगा। कोटक ने इंटरेस्ट रेट्स 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर बढ़ाए हैं। अब इस बैंक में एफडी कराने पर सामान्य नागरिकों को 2.75 फीसदी से 7.25 फीसदी तक का ब्याज मिलेगा। वहीं अगर वरिष्ठ नागरिकों की बात करें तो उन्हें एफडी पर अब 3.25 फीसदी से 7.75 फीसदी तक ब्याज मिलेगा।

रेनो की एसयूवी कार्डियन ग्लोबल मार्केट में अनवील

नईदिल्ली, एजेंसी। रेनो ने नई कॉम्पैक्ट एसयूवी कार्डियन को ग्लोबल मार्केट में अनवील कर दिया है। कार 13 से ज्यादा एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम वाले सेफ्टी फीचर्स के साथ आएगी। कंपनी कार को सबसे पहले ब्राजील में सेल करेगी, इसके बाद अन्य देशों में बेचा जाएगा। रेनो कार्डियन कंपनी की काइगर के बाद सबसे छोटी एसयूवी है। ये कार फिएट की पल्स जैसी छोटी एसयूवी को टक्कर देगी। भारत में इसका मुकाबला निसान मेग्नाइट और टाटा पंच से होगा। कार्डियन को कंपनी की ग्लोबल मार्केट में मौजूद एसयूवी सैंडेरो स्टेपवे के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इसका बॉडी पैनल, इंजन और डिजाइन एलिमेंट्स भी सैंडेरो से लिए गए हैं। कार्डियन के एक्सटीरियर डिजाइन की बात करें तो कार में एक डबल-लेयर ग्रिल, एक लंबा बम्पर और एक फॉक्स ब्रश एल्यूमीनियम स्किड प्लेट दी गई है। इसके अलावा फ्रंट में प्रोजेक्टर हेडलैंप देखने को मिलते हैं। कार की साइड प्रोफाइल में एक कूप-एसयूवी जैसा बॉडीशेल है, इसका ग्राउंड क्लीयरेंस सैंडेरो से ज्यादा है और इसके मजबूत एसयूवी लुक को जोड़ने के लिए व्हील आर्च और रनिंग बोर्ड पर बॉडी क्लैडिंग दी गई है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

'मुन्नाभाई...' में मेरा किरदार पहले संजय दत्त करने वाले थे: जिमी

एक्टर जिमी शेरगिल ने एक इंटरव्यू में बताया कि 'मुन्ना भाई एमबीबीएस में मैंने जो किरदार निभाया है। पहले वो संजय दत्त करने वाले थे। बाद में उन्हें फिल्म के लीड रोल के लिए सिलेक्ट कर लिया गया। मेरी फिल्म मेरे यार की शादी है उस वक्त रिलीज हो रही थी। डायरेक्टर संजय गढ़वी ने मुझे राजकुमार हिरानी से मिलवाया था। जब राजू हिरानी ने मुझे स्क्रिप्ट सुनाई मैंने उसी वक्त इस रोल के लिए हां कर दिया था। इस तरह मुझे ये रोल मिला था।' जिमी ने कहा कि संजू बाबा के साथ काम करना बहुत मजेदार था।

मां मुझसे लगभग एक साल तक नाराज थीं

जिमी बताते हैं कि बचपन में उन्होंने एक बार बिना घर में बताए दाढ़ी और बाल कटवा लिए थे। जब मैं घर गया, तो मेरे घरवाले मुझसे नाराज हो गए थे। मेरी मां मुझसे लगभग एक साल तक नाराज थीं, क्योंकि हम सिख परिवार से हैं इसलिए मेरे इस बचपने पर घर वालों ने नाराजगी जताई थी। तब ये नहीं पता था कि बड़े होकर एक्टर बनूंगा या एक्टिंग करूंगा। सब कुछ बस अपने आप होता गया। जब पहली बार शाहरुख और अमिताभ के साथ मोहब्बतें में काम किया था उस वक्त बहुत नर्वस था। इसके अलावा जिमी ने ऑडिबल प्लेटफॉर्म पर अपनी आने वाली नई सीरीज 'सियाह' के बारे में भी बात की। जिमी ने कहा, 'मैं पहली बार ऐसे प्लेटफार्म के साथ काम करने जा रहा हूं जो केवल ऑडियो बेस्ट सीरीज है। इस सीरीज कहानी मुझे बहुत पसंद आई थी। कहानी सुनने के बाद ही मैंने हां किया था। इसमें मैं कबीर की भूमिका निभा रहा हूं जोकि एक राइटर हैं।' मुझे लगता है आने वाले समय में मैं इस प्लेटफॉर्म के साथ और काम करूंगा। एक्टर ने बताया कि फिल्म मोहब्बतें में शाहरुख और अमिताभ के साथ काम करने का एक्सपीरिएंस बहुत अच्छा था।

ब्रेकअप पर मलाइका बोली -मुझे क्लैरिफाई करने की जरूरत नहीं है

बॉलीवुड के फेवरेट कपल्स में से एक मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर पिछले कई दिनों से अपने ब्रेकअप रूमर्स के चलते चर्चा में बने हुए हैं। इस मामले में अब मलाइका अरोड़ा ने लंबे समय बाद चुप्पी तोड़ी है। मलाइका ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें इस मामले में किसी तरह की सफाई देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पहले ही सब कहा जा चुका है। एक इंटरव्यू में मलाइका ने कहा, मैं फिलहाल अपने पर्सनल स्पेस के बारे में चर्चा नहीं करना चाहती। मैं इस स्टेज में हूं कि जहां मुझे बोलने की जरूरत थी, मैंने वहां बोला है। मुझे कुछ भी क्लैरिफाई करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जो भी कहा जाना था, वो पहले ही कहा जा चुका है। मलाइका ने तो साफ शब्दों में ब्रेकअप पर कोई टिप्पणी नहीं की, हालांकि अर्जुन कपूर ने अपनी एक पोस्ट के जरिए इन खबरों को अफवाह साबित कर दिया है। मलाइका के बर्थडे के मौके पर अर्जुन कपूर ने उनके साथ एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की थी। इसके साथ उन्होंने लिखा था, हैप्पी बर्थडे बेबी, ये तस्वीर हम हैं। तुम मेरी जिंदगी में स्माइल, खुशी व रोशनी लेकर आती हो और तुम मुझे हमेशा सपोर्ट करती रहोगी। अर्जुन की इस पोस्ट में मलाइका ने कमेंट कर उन्हें आई लव यू कहा है।

परिणीति ने शेयर कीं चूड़ा सेरेमनी की अनसीन फोटोज

परिणीति चोपड़ा ने 24 सितंबर को राजनेता राघव चड्ढा से शादी की है। शादी के बाद से ही लगातार दोनों के प्री-वेडिंग फंक्शन्स के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। हाल ही में परिणीति ने अपने चूड़ा सेरेमनी की कुछ अनसीन तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसमें वह यलो सलवार सूट में काफी खूबसूरत लग रही हैं। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने उदयपुर के द लीला पैलेस में 24 सितंबर को धूम-धाम से शादी की है। इनकी शादी में सानिया मिर्जा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और क्रिकेटर हरभजन सिंह, बॉलीवुड एक्ट्रेस गीता बसरा जैसे कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। अपने इस खास दिन के लिए परिणीति ने मनीष मल्होत्रा का लंहगा चुना था। वहीं, राघव ने पारंपरिक शेरवानी पहनी थी।

छठवीं की अर्धवार्षिक परीक्षा में फेल हुई तो छोड़ा घर, उदयपुर पहुंची दो सहेलियां

रेलवे पुलिस ने किया रेस्क्यू, काउंसलिंग के बाद अभिभावकों को सौंपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल बदलने के डर से भोपाल में रहने वाली दो बच्चियों ने घर छोड़ दिया और ट्रेन से राजस्थान के उदयपुर पहुंच गई। हालांकि यहां रेलवे पुलिस की नजर उनपर पड़ी और उन्हे रेस्क्यू किया गया। जिसके बाद चाइल्ड लाइन और बाल कल्याण समिति के पास पहुंचाया गया। जहां काउंसलिंग के बाद अब दोनो बच्चियों को परिजन को सौंपा गया है। काउंसलिंग में खुलासा हुआ कि छठवीं क्लास की अर्धवार्षिक परीक्षा में फेल होने के स्कूल बदल जाने और दोस्ती टूटने के डर से उन्होने यह कदम उठाया था। हालांकि रेलवे पुलिस और चाइल्ड लाइन की सतर्कता के चलते बच्चियों को सुरक्षित घर पहुंचाया गया है।

यह है पूरा मामला

काउंसलिंग में किशोरियों ने बताया कि वह भोपाल के एक निजी स्कूल में बचपन से साथ पढ़ती आई हैं। किस्मत से आजतक उनकी क्लास भी अलग नहीं हुई हैं। वह हमेशा साथ ही बैठती हैं और स्कूल में हर जगह साथ रहती हैं। किशोरियों ने बताया कि पिछले साथ दोनों का रिजल्ट बहुत अच्छा नहीं आया था। इस साल इनमें से एक बच्ची के माता-पिता ने उसे कहा था कि यदि हॉफ ईयरली में रैंक नहीं सुधरी तो तुम्हें सरकारी स्कूल में डाल देंगे। दोनों हॉफ ईयरली में सोशल साइंस के पेपर में फेल हो गई। उन्हें लगा कि अब मम्मी-पापा स्कूल बदलवा देंगे। इससे दोनों की दोस्ती टूट जाएगी। इसी डर से दोनों ने घर से निकलने की सोची। सामने जो ट्रेन दिखी, उसी में बैठकर दोनों रवाना हो गई।

बच्चियों को ऐसे डराना नहीं चाहिए-

माता-पिता ने बताया कि कोविड के बाद स्कूल खुलने के बाद से ही दोनों बच्चियों का मन पढ़ाई में नहीं लगता था। दोनों का घर भी केवल डेढ़ किमी की दूरी पर है। ऐसे में लॉकडाउन के बाद भी दोनों का एक-दूजे के घर आना-जाना शुरू था। स्कूल खुला तो दोनों को स्कूल जाने से डर था, लेकिन स्कूल में ज्यादा समय बिता पाएगी यह कहने के बाद दोनों एकदम तैयार हो गई थी। जब बीते साल रिजल्ट खराब हुआ तो इस साल बच्चियों को यूंही बस डराने के उद्देश्य से स्कूल बदल देने की बात कही थी। माता-पिता ने माना कि उन्हें बच्चियों को ऐसे डराना नहीं चाहिए था।

अपहरण कांड : पूरी टीम को नगद ईनाम देने का घोषणा

पुलिस की एक टीम दिल्ली में, दूसरी को बुलाकर डीजीपी ने दी शाबाशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना ने गुरुवार को अंतर राज्यीय बच्चा चोर गिरोह का भंडाफोड़ करने वाली पुलिस टीम के काम की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। इसके साथ ही एक महीने पहले एयरपोर्ट रोड स्थित जैन मंदिर से लाखों रुपये कीमत की अष्टधातु की मूतियां चोरी करने वाले बदमाश को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को भी बधाई दी। दोनों ही मामलों का खुलासा करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को डीजीपी ने गुरुवार को अपने कार्यालय बुलाकर उनका सम्मान किया और सराहनीय कार्य के लिए बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने पूरी टीम को नकद ईनाम देने की भी घोषणा की।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अनुराग शर्मा, डॉ. विनीत कपूर, पुलिस उपायुक्त रियाज इकबाल, श्रुतिकीर्ति सोमवंशी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शालिनी दीक्षित, शैलेन्द्र सिंह चौहान के साथ ही क्राइम ब्रांच और जोन-3 के अधिकारी मौजूद रहे। सराहनीय काम करने वालों में क्राइम ब्रांच की टीम से एसआई सूरज रंधावा, आरक्षक सलमान, महावीर, शादाब, रोहित यादव, मेहमूद, ऋषिकेश, जितेन्द्र, नीलेश वर्मा, राजेंद्र, महिला आरक्षक पूजा अग्रवाल एवं कार्यवाहक हेड कांस्टेबल इमरान खान सिटी सर्विलांस से शामिल रहे। इसी प्रकार थाना कोहेफिजा एवं जोन क्रमांक की टीम से थाना प्रभारी बिजेन्द्र मर्सकोले, एसआई अबु बकर, हेड कांस्टेबल मोहन सिंह (सायबर सेल), विनोद सिसोदिया, राजेश चंदेल, रवीश रावत, लालचंद, आरक्षक संतोष कुमार, रवि चौबे, विजय बहादुर, देवेन्द्र बिनरोटिया, अंकित ठाकुर, प्रवीण, शैलेन्द्र सिंह चंदेल, मुकेश सिंह, महिला आरक्षक कविता और शिवा मिश्रा शामिल थे।

दिल्ली में महिला डॉक्टर की तलाश

मानव तस्करी के मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों को पूछताछ के लिए 29 अक्टूबर तक रिमांड पर लिया गया है। गुरुवार को पुलिस की एक टीम आरोपियों को लेकर उस महिला डॉक्टर की तलाश में रवाना हुई, जिसके बारे में गिरोह की मुखिया ने बताया था कि दोनों छोटी बच्चियों को अपने पास रखने के लिए दिया है। इसके अलावा मोबाइल में मिले अन्य संपर्क वालों के बारे में भी छानबीन की जा रही है। जिस महिला अथवा दंपति से अगवा बच्चियों की सौदेबाजी की जा रही है, उनका भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस अफसरों का कहना है कि पूछताछ के बाद बड़े खुलासे की उम्मीद है।

यह था मामला

कोतवाली स्थित कर्फ्यूवाली माता मंदिर के सामने से बीते शनिवार की सुबह कन्याभोज के बहाने दो महिलाए 11 महीने की दीपावली और 8 साल की बड़ी बहन काजल को अगवा कर लिया था। लगातार 60 घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने कोलार रोड स्थित पॉश कालोनी इंग्लिस विला सोसायटी के एक मकान से दोनों बच्चियों को सकुशल बरामद किया था। इस मामले में बच्चा चोर गिरोह का संचालन करने वाली अर्चना सैनी, उसके लिवइन पार्टन निशांत रामास्वामी, बेटे सूरज, बेटे की गर्लफ्रेंड मुस्कान और नाबालिग बेटी को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास 3 महीने और ढाई साल की दो और बच्चियां बरामद हुई थीं, जिनके बारे में महिला का कहना था कि एनसीआर की एक महिला डॉक्टर ने उसे रखने के लिए दिया था। हालांकि प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि यह महिला अंतर राज्यी बच्चा चोर गिरोह की सदस्य है और बच्चों का अपहरण कर उन्हें बेचने का काम करती है।

बकरियां चराते समय कुएं में गिरा चरवाहा, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम आजमपुर में बकरियां चराने पहुंचे चरवाहे की कुएं में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कुएं से शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रधान आरक्षक राम निवास ओझा के अनुसार लीला किशन कुशवाह पिता लालाराम कुशवाह (35) ग्राम आजमपुर में रहता था और बकरियां चराता था। गुरुवार दोपहर वह बकरियां चराने गांव के खेत में गया था। गांव में ठाकुर साहब का पुराना कुआं है और कुएं के आसपास बाउंड्री (पनघट) नहीं है। दोपहर में लीलाकिशन की बकरियां के कुएं के पास झाड़ियों में चली गई। वह बकरियों की तरफ गया था, तभी कुएं के पास लगी ऊंची घांस से उसका पैर फिसला और वह कुएं की पानी में गिर गया। कुएं में बारिश का पानी लबालब भरा हुआ था और पानी में डूबने से लीलाकिशन की मौत हो गई। परिजन उसकी तलाश में पहुंचे और दोपहर करीब ड़ाई बजे के आसपास उन्होंने कुएं में लीला किशन की चप्पल देखी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से लाश बाहर निकाल पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है।

दोस्तों और पिता को गुड बाय का मैसेज कर कुएं में कूदकर दी युवक ने जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित रोडिया गांव में रहने वाले किसान के बेटे ने अपने ही कुएं में कूदकर जान दे दी। गत 24 अक्टूबर को वह घर से बिना बताए निकल गया था। उसने घर से जाने के बाद पिता और दोस्तों के मोबाइल गुड बाय का मैसेज किया। इसके बाद से ही उसका मोबाइल बंद था। परिजन ने अगले ही दिन 25 अक्टूबर को उसकी गुमशुदगी गुनगा थाने में दर्ज कराई थी। 26 अक्टूबर को उसकी लाश अपने ही खेत के कुएं में मिली। उसने आत्मत्या क्यों की इसका खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अजय उर्फ राहुल यादव पिता सबल सिंह यादव (20) गांव रोडिया में रहता था और सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। उसके पिता गांव में खेती किसानी करते हैं। अजय गत 24 अक्टूबर को घर से बिना बताए चले गया था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। उसने पिता को मोबाइल पर गुड बाय का मैसेज किया था। अनहोनी की आशंका होने पर 25 अक्टूबर को पिता ने गुनगा थाने पहुंचकर अजय की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस और परिजन अजय की तलाश कर रहे थे। इस दौरान गुरुवार को अजय की लाश खेत में बने कुएं में मिली। लाश एक दो दिन पुरानी होने से अनुमान लगाया जा रहा है कि अजय ने 24 अक्टूबर को ही कुएं में कूदकर जान दी है।

युवक ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

भोपाल। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित जवाहर चौक के पास हनुमान मंदिर के पीछे टीनसेड झुग्गी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। एएसआई दिनेश खजुरिया ने बताया कि अजय ढालके पिता रायचंद ढालके हनुमान मंदिर के पीछे टीनसेड झुग्गी में रहता था और मजदूरी करता था। पत्नी ने पुलिस को बताया कि अजय शराब पीने का आदी था। वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। इसके बाद खाना खाकर सो गया। गुरुवार सुबह नींद खुली तो उसने झुग्गी में अजय को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। पत्नी और बच्चों की चीखपुकार सुन अजय का भांजा ऋषि मालवीय पहुंचा और फंदे से उतारकर अजय को जय प्रकाश अस्पताल ले गया। अस्पताल में डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही अजय को मृत घोषित कर दिया।

यात्री का ट्राली बैग लेकर चलती ट्रेन से कूदा बदमाश

यात्रियों के साथ लूट, जीआरपी भोपाल ने दर्ज किए प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यात्रियों के साथ चलती ट्रेन में लूट व चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। अनूपपुर से भोपाल आ रहे यात्री का ट्राली बैग लेकर बदमाश चलती ट्रेन से कूद गया। अन्य वारदात में एक बदमाश ने झपट्टा मारकर यात्री का मोबाइल नीचे गिरा दिया और फिर खुद भी चलती ट्रेन ने नीचे कूद गया। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेलवे पुलिस के मुताबिक मूलरूप से रीवा निवासी बालेन्द्र दुबे अपनी पत्नी पूजा दुबे के साथ अनूपपुर से भोपाल की यात्रा कोच एस-9 की बर्थ एक व 4 पर कर रहे थे। रेलवे स्टेशन भोपाल आने से पहले उन्होंने अपना लगेज गेट पर रख दिया था। स्टेशन आने से पांच-सात मिनट पहले ट्रेन काफी स्लो हो

गई थी। इस बीच अचानक 15-16 साल का एक लडका स्टेशन आने से पहले चलती ट्रेन से ट्राली बैग लेकर कूद गया। फरियादी बालेन्द्र दुबे उसे पकडड़े के लिए ट्रेन से नीचे उतरा लेकिन लड़का चकमा देकर भागने में कामयाब हो गया। ट्राली बैग में पांच जोड़ी कपड़े, करीब 13 हजार रुपए की होम्योपैथिक दवाईयां, दस्तावेज व अन्य सामान समेत करीब 25 हजार रुपए का सामान रखा था।

मोबाइल पर मारा झपट्टा

अजय विश्वकर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 24 अक्टूबर को वह ट्रेन राज्यरानी एक्सप्रेस के जनरल कोच के गेट पर बैठकर भोपाल से विदिशा जा रहा था। उसी दौरान निशातपुरा रेलवे स्टेशन साईं मंदिर के पास 20-22 साल के एक लड़के ने अचानक चलती ट्रेन में झपट्टा मारकर मेरा मोबाइल ट्रेन ने नीचे गिरा दिया। इससे पहले वह कुछ समझ पाता, लड़का खुद ट्रेन से नीचे कूदा और मोबाइल लेकर फरार हो गया। मोबाइल की कीमत 16 हजार बताई गई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर | **गौतम नगर कैंटीन के सामने की वारदात**

रात आधा दर्जन बदमाशों ने नवारक्षक को पीटा, केस दर्ज कर तलाश की शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित गौतम नगर भोपाल कैंटिन के सामने नवारक्षक से मारपीट का मामला सामने आया है। करीब आधा दर्जन बदमाशों ने नवारक्षक से मारपीट की है। पुलिस ने नवारक्षक की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों पर मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार नीरज सोनगडें पिता भगवानदास सोनगडें (28) पुलिस लाइन नेहरू नगर में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत वर्ष 2022 में ही उसकी जिला पुलिस बल में भर्ती हुई है। इन दिनों की उसकी पुलिस लाइन में पोस्टिंग हैं। बुधवार-गुरुवार रात

करीब एक बजे के आस वह अपने दोस्त आशीष, सुधीर, सुरेन्द्र के साथ कार से भोपाल कैंटिन गौतम नगर में खाना खाने गया था। सुरेन्द्र की कार भोपाल कैंटिन के सामने खड़ी की थी। सभी लोगों ने खाना खा रहे थे। इसी बीच सुरेन्द्र खाना खाकर बाहर निकला और अपनी कार में जाकर बैठ गया। नीरज और बाकि लोग भी खाना खाने के बाद आईस्क्रीम खा रहे थे। इस दौरान सुरेन्द्र की कार के पास आधा दर्जन लड़के पहुंचे और सुरेन्द्र से गालीगलौज करने लगे। नीरज लड़कों के पास पहुंचा और कहा कि भाई क्या बात है मुझे बताओ में पुलिस में हूं। यह सुनते ही एक लड़का भड़क गया और गालीगलौज करते हुए नीरज से मारपीट करने लगा। लड़के साथ मौजूद दो अन्य लड़के भी हाथ मुक्के और डंडे से मारपीट करने लगे। आईस्क्रीम खा रहे दोस्त उसे बचाने पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग निकले।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022